■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी...

www.bpsnews.in

(वर्ष-10 अंक-17

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 26 मई 2025

मेरी शादी पाकिस्तान में करा दीजिए, यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की खुफिया चैट वायरल 6

30 मई को कानपुर में प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी ने बैठक कर दिए निर्देश 8

कोच्चि के पास समुद्र में डूबा लाइबेरियाई कंटेनर पोत, सभी 24 सदस्य बचाए गए

नई दिल्ली। कोच्चि से लगभग 38 समुद्री मील दूर रविवार को लाइबेरियाई कंटेनर पोत एल्सा-3 बाढ़ के कारण गहरे पानी में डूब गया, लेकिन भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल ने जहाज के सभी 24 चालक दल सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है। समुद्र में डूबे जहाज से किसी भी तेल या रासायनिक रिसाव पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए भारतीय जहाज पूरी तरह तैयार हैं।

आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि 184 मीटर लंबा लाइबेरियाई कंटेनर जहाज एल्सा-3 तिरुवनंतपुरम के पास विझिनजाम बंदरगाह से 23 मई को कोच्चि बंदरगाह के लिए रवाना हुआ था। कोच्चि के रास्ते में जहाज के स्टारबोर्ड की तरफ 26 डिग्री का झुकाव होने पर चालक दल के 09 सदस्य लाइफ राफ्ट में चले गए। जहाज के कप्तान, मुख्य अभियंता और इंजीनियर बचाव कार्यों के लिए संकटग्रस्त जहाज पर सवार थे। भारतीय तटरक्षक बल को 24 मई को लगभग 13.25 बजे कोच्चि से करीब 38 समुद्री मील दूर लाइबेरियाई ध्वज वाले कंटेनर पोत एमएससी ईएलएसए 3 पर संकट की स्थिति के बारे में सूचना मिली।

दरअसल, शिपिंग कंपनी पोत के साथ संचार स्थापित करने में असमर्थ थी और उसने पोत पर सवार 24 चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईसीजी से सहायता मांगी। इस पर कोच्चि स्थित आईसीजी जिला मुख्यालय के अंतर्गत समुद्री बचाव उपकेंद्र (एमआरएससी) ने आईसीजी डोर्नियर विमान को हवाई निगरानी करने और जहाज से संपर्क स्थापित करने का काम सौंपा। तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए विमान ने जहाज का पता लगाया। पानी में दो लाइफ राफ्ट दिखाई दीं, जिनमें क्रमश: 05 और 04 लोग जीवित लोग सवार थे। संकटग्रस्त स्थान के पास तैरते हुए कुछ कंटेनरों की भी पहचान की गई।

इसके बाद गश्त पर तैनात आईसीजी के जहाजों को भी संकटग्रस्त जहाज की ओर मोड़ दिया गया। एमआरएससी ने वैश्विक खोज और बचाव प्रक्रियाओं के अनुसार आसपास के दो व्यापारिक जहाजों एमवी हान यी और एमएससी सिल्वर 2 को संकटग्रस्त जहाज की स्थिति की ओर मोड़ दिया।

त्वरित सहायता के लिए आईसीजी के डोर्नियर विमान ने जीवित बचे लोगों को बचाने के लिए जीवन रक्षक नौकाएं उतारीं। संकटग्रस्त जहाज एल्सा-3 के 12 अन्य चालक दल के सदस्य आईसीजी के जीवन रक्षक बेड़ा पर चले गए, जिन्हें आईसीजी जहाज अर्नवेश ने बचाया। एमवी हान यी ने दो जीवन रक्षक नौकाओं से 09 जीवित लोगों को बचाया। इसी बीच सूचना पाकर भारतीय नौसेना का जहाज सुजाता भी शनिवार शाम इस ऑपरेशन में शामिल हो गया।

आईसीजी के कमांडर ने बताया कि 25 मई की सुबह 07.50 बजे एमएससी एल्सा-3 तेजी से झुका और पलटकर डूब गया। यह स्थिति देख कप्तान, मुख्य अभियंता और दूसरे इंजीनियर ने भी डूबते हुए जहाज को छोड़ दिया, जिन्हें आईएनएस सुजाता ने बचाया। बचाए गए चालक दल के 24 सदस्यों में 01 रूसी (मास्टर), 02 यूक्रेनी, 01 जॉर्जियाई और 20 फिलीपींस के नागरिक हैं। जहाज पर मौजूद 640 कंटेनरों में से 13 में खतरनाक कार्गो था, जबकि कैल्शियम कार्बाइड वाले कार्गो के 12 कंटेनर मौजूद थे। जहाज के टैंकों में 84.44 मीट्रिक टन डीजल और 367.1 मीट्रिक टन फर्नेस ऑयल था। इसके बाद प्रदूषण प्रतिक्रिया उपकरणों के साथ आईसीजी जहाज सक्षम को तैनात किया गया है। भारतीय तटरक्षक बल उभरते परिदृश्य का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार है और एल्सा 3 के डूबने के बाद पर्यावरणीय प्रभाव पर बारीकी से निगरानी कर रहा है।

जयशंकर बोले- आतंकी हमला जारी रहा तो पाकिस्तान को भुगतने होंगे परिणाम

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नीदरलैंड की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान कहा कि यदि सीमा पार से आतंकवादी हमले जारी रहे तो पाकिस्तान को परिणाम भुगतने होंगे। एएनाई ते अनुसार विदेश मंत्री जयशंकर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले का जिक्र किया और कहा कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व के विचार कट्टर धार्मिक हैं। उन्होंने कहा कि हम आतंकवाद का निश्चित अंत चाहते हैं। इसलिए हमारा संदेश है- हां, युद्ध विराम ने फिलहाल एक-दूसरे के खिलाफ सैन्य कार्रवाइयों को समाप्त कर दिया है, लेकिन अगर पाकिस्तान से आतंकवादी हमले जारी रहे, तो इसके परिणाम भुगतने होंगे। पाकिस्तानियों को यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए।

विदेश मंत्री जयशंकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह नीदरलैंड में थे, जिन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए सैन्य आदान-प्रदान के कारण अपनी नियोजित राजकीय यात्रा रद्द कर दी थी। इस यात्रा में आर्थिक सहयोग और आतंकवाद-रोधी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया, साथ ही इस साल के अंत में पीएम मोदी की पुनर्निर्धारित यात्रा के लिए तैयारी संबंधी चर्चाएँ भी की गईं। चर्चा किए गए द्विपक्षीय मुद्दों में पाकिस्तान को डच हथियारों की आपूर्ति शामिल थी, जिसे पहले भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मार्च में डच रक्षा मंत्री रूबेन ब्रेकेलमैन्स के साथ दिल्ली में उठाया था। जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत भविष्य में पहलगाम जैसे किसी भी आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान में आतंकवादियों पर फिर से हमला करेगा। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि ऑपरेशन सिंदूर समाप्त नहीं हुआ है। नीदरलैंड के प्रसारक 'एनओएस' को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि सरकार इस बात को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है कि यदि ऐसा कोई हमला होता है, तो जवाब दिया जाएगा। जयशंकर नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी के दौरे के तहत नीदरलैंड के हेग शहर में थे। उन्होंने कहा, यह अभियान जारी है क्योंकि इसमें एक स्पष्ट संदेश है – कि अगर 22 अप्रैल जैसी हरकतें फिर होती हैं तो इनका जवाब दिया जाएगा, हम आतंकवादियों पर हमला करेंगे।

75 साल बहुत जी लिया, अब पाकिस्तान का समय आ गया है -मुख्यमंत्री योगी

अयोध्या की पावन राम जन्मभूमि पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ऐतिहासिक बयान देते हुए पाकिस्तान को तीखा संदेश दिया। अपने संबोधन में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'आतंकवाद ही एक दिन पाकिस्तान को ले डूबेगा। अब उसके पास ज्यादा समय नहीं है। 75 वर्षों से वह जैसे-तैसे चला है, लेकिन अब उसका अंत निकट है।' सीएम योगी ने हाल ही में भारतीय सेना द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि किस तरह पाकिस्तानी आतंकियों ने निर्दोष भारतीय नागरिकों की धार्मिक पहचान पूछकर उन्हें मौत के घाट उतारा। लेकिन भारत की सेना ने इसका करारा जवाब दिया। इस जवाबी कार्रवाई में भारतीय जवानों ने 26 पर्यटकों की मौत के बदले 9 आतंकी ठिकानों सहित 124 वांटेड आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया।

सीएम योगी ने इस दौरान कानपुर के शिवम द्विवेदी की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि मात्र दो महीने शादी को हुए थे। उसकी पत्नी के सामने गोली मार दी गई और 26 सैलानियों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इसके बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू कर इसका बदला लेना शुरू कर दिया है। इस पूरे घटनाक्रम ने न केवल देशवासियों में गर्व का संचार किया, बल्कि पाकिस्तान को यह स्पष्ट संकेत भी दे दिया कि भारत अब हर हमले का दोगुना जवाब देने को तैयार है। मुख्यमंत्री का यह बयान न केवल राजनीतिक स्तर पर, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में भी एक मजबूत संदेश बनकर उभरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अयोध्या के दौरे पर पहुंचे, जहाँ उन्होंने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के प्रतीक श्री हनुमत कथा मंडप का लोकार्पण किया। यह पावन कार्यक्रम हनुमानगढ़ी परिसर में संपन्न हुआ। अयोध्या में अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

ने पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए उसे उसके आतंकवादी गतिविधियों के लिए कड़े शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान अब ज्यादा दिन नहीं टिकेगा। वहां का आतंकवाद ही उसे ले डूबेगा। 75 साल से वह जैसे-तैसे चला है, लेकिन अब उसके अंत का समय आ चुका है।' मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान की हालत को उसके ही कर्मों का फल बताया और दो टूक कहा कि अब भारत पहले जैसा नहीं रहा। 'यह नया भारत है जो किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन अगर कोई छेड़े, तो उसे छोड़ता भी नहीं है।' उन्होंने यह भी बताया कि भारत का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह चौकस है और पाकिस्तान की हर कोशिश को नाकाम किया गया है।

सीएम योगी ने आगे बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के साथ ही भारत ने पाकिस्तान को जबरदस्त जवाब देकर उसकी क्षमता पर चोट की है। सीएम योगी ने भारत की सनातन संस्कृति की शक्ति को रेखांकित करते हुए कहा, 'हमारा अस्तित्व सनातन के कारण है,

पटना में हवा में बदमाशों की गोलीबारी से दहशत, छह पुलिसकर्मी निलंबित

बिहार। बिहार की राजधानी पटना के बोरिंग कैनाल रोड क्षेत्र में शनिवार शाम पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद अज्ञात बदमाशों ने हवा में कई बार गोली चलाई और फरार हो गए। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अवकाश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि घटना में लापरवाही बरतने के आरोप में छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

सचिवालय के उपमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) साकेत कुमार ने संवाददाताओ को बताया, ''अज्ञात बदमाश काले रंग की एसयूवी में सवार थे और उन्होंने बोरिंग कैनाल रोड क्षेत्र में हवा में कई बार गोली चलाई। संयोगवश, कानून एवं व्यवस्था के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पंकज दराद भी उसी समय वहां से एक बैठक के बाद लौट रहे थे।''

उन्होंने बताया, ''एडीजी के सुरक्षा गार्ड ने बदमाशों को रोकने के प्रयास में जीपीओ गोलंबर के पास हवा में गोली चलाई, लेकिन वे तेज रफ्तार में वाहन चलाते हुए फरार हो गए। दराद ने तुरंत पुलिस नियंत्रण कक्ष को इसकी सूचना दी।''

एसएसपी ने बताया कि घटना की जांच के लिए एक टीम गठित की गई है और आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी जिस काली एसयूवी में सवार थे, उस पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद बदमाशों ने हवा में कई बार गोली चलाई।

कर्नाटक में कोविड-19 संक्रमित बुजुर्ग की मौत -स्वास्थ्य अधिकारी

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में गंभीर बीमारियों से ग्रस्त 84 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। उनकी जांच रिपोर्ट शनिवार को आई जिसमें उन्हें कोविड-19 से संक्रमित पाया गया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बुजुर्ग को 13 मई को बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और 17 मई को उनकी मृत्यु हो गई।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य में कोविड-19 के 38 मामले सामने आए हैं, जिनमें से अकेले 32 संक्रमित बेंगलुरु में पाए गए हैं। इससे पहले दिन में कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने लोगों से संयमित रहने और अपनी दैनिक दिनचर्या जारी रखने की अपील की थी। उनकी यह टिप्पणी पिछले कुछ दिनों में राज्य भर में कोविड मामलों में वृद्धि के बाद आई है।

चार राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा, 19 जून को मतदान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने चार राज्यों गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराने की घोषणा की है। इन सीटों पर 19 जून को मतदान होगा और 23 को नतीजे आएंगे।

आयोग ने रविवार को विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। यह उपचुनाव विधायको के निधन या इस्तीफे के कारण रिक्त हुई सीटों को भरने के लिए होंगे।

गंगा नहाते समय एक युवक डूबा, बचाने गए दो दोस्त भी लहरों में समाए, तीनों की मौत

कानपुर। कैंट थानाक्षेत्र के मैस्कर घाट में रविवार दोपहर गंगा नहाते समय एक दोस्त डूब गया। उसे बचाने में दो दोस्त भी गंगा में समा गए। बाहर बैठे तीन साथियों ने शोर मचाया। सूचना पर पहुंची पुलिस, गोताखोरों की मदद से चार घंटे की मशक्कत कर तीनों शव बाहर निकलवा पाई। जूही के परमपुरवा निवासी नंदू गुप्ता (19), साहिल अंसारी (16), अंकुर रावत (17), कुनाल रावत, गोलू गुप्ता और सोनू अंसारी मैस्कर घाट गए थे। वहां नंदू, अंकुर और साहिल गंगा नहाने लगे, जबकि बाकी तीन युवक घाट किनारे बैठे थे। अचानक नदी के बीच में जाने पर अंकुर डूबने लगा, उसे बचाने में साहिल और नंदू भी गहराई में चले गए। साथियों को डूबता देख घाट में बैठे दोस्तों ने मदद के लिए शोर मचाया तो वहां लोगों की भीड़ जुट गई।

इसके बाद दोस्तों ने पुलिस व परिजनों को सूचना दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों को पानी में उतारा। काफी मशक्कत के बाद गोताखोर अंकुर को ढूंढ पाई। इसके बाद साहिल और नंदू के शव बरामद हुए। कैंट इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राय ने बताया कि गंगा नहाने के दौरान तीन दोस्तों की डूबने से मौत हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

संपादकीय

निर्ममता और नादानी

कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम हत्या की हृदयविदारक घटना उद्वेलित करने वाली है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली घटना है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती आक्रामकता और संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। बताते हैं हत्या में शामिल युवक गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। इस बाबत प्रकाशित खबरों के अनुसार मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह हृदयविदारक है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख पैदा हुआ है। बहरहाल, किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारी परिवार संस्था बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रही है ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? उन्हें क्यों लगता है कि किसी लड़की को छेड़ा जाना चाहिए? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष तिरोहित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला क्रूर ढंग से गला काटना हो सकता है?

दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। आम तौर पर फिल्मों में हीरो हिरोइन से छेड़खानी करता और उसे परेशान करता नजर आता था। बाद में फिल्म की पटकथा में नायिका उसी हीरो के आगे समर्पण करती नजर आती थी। फिर फिल्म की पटकथा इस छेड़खानी को प्रेम कथा और विवाह में तब्दील कर देती है। कालांतर समाज के किशोरवय और युवाओं में यह संदेश गया कि निजी जीवन में यही छेड़खानी उनकी प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। फिर बची-खुची कसर हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीन व क्रूर-कथाओं ने पूरी कर दी। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता भर दी कि समाज में इसे न्यू नॉर्मल मानने की सोच पैदा हुई। कहीं न कहीं पारिवारिक संस्था व शिक्षा व्यवस्था इस सोच को खारिज करने में चूकी है।

हिन्दू धर्म में अखंड सौभाग्य के लिए महिलाएं करती हैं वट सावित्री व्रत

हिन्दू धर्म में वट सावित्री व्रत का खास महत्व है। वट सावित्री व्रत भारतीय संस्कृति में विवाहित महिलाओं द्वारा मनाया जाने वाला प्रमुख उत्सव है। जिसमें महिलाएं बरगद के पेड़ की पूजा कर अपने पतियों और परिवार की भलाई के लिए उपवास करती हैं तो आइए हम आपको वट सावित्री व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।जानें वट सावित्री व्रत के बारे में

वट सावित्री व्रत विवाहित हिंदू महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण व्रत है, जो आमतौर पर ज्येष्ठ महीने में मनाया जाता है। उपवास तीन दिनों तक चलता है। ये त्रयोदशी से शुरू होकर पूर्णिमा (पूर्णिमा) या अमावस्या (अमावस्या) के दिन समाप्त होता है। यदि कोई महिला तीनों दिन उपवास करने में असमर्थ है, तो वह केवल अंतिम दिन उपवास करने का विकल्प चुन सकती है। इस व्रत का उद्देश्य सुखमय और स्थायी विवाह का आशीर्वाद प्राप्त करना है। इस वर्ष वट सावित्री व्रत 26 मई 2025 को पड़ेगा। पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व है।

हिन्दू धर्म में वट सावित्री व्रत का खास महत्व है। वट सावित्री व्रत भारतीय संस्कृति में विवाहित महिलाओं द्वारा मनाया जाने वाला प्रमुख उत्सव है। जिसमें महिलाएं बरगद के पेड़ की पूजा कर अपने पतियों और परिवार की भलाई के लिए उपवास करती हैं तो आइए हम आपको वट सावित्री व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें वट सावित्री व्रत के बारे में

वट सावित्री व्रत विवाहित हिंदू महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण व्रत है, जो आमतौर पर ज्येष्ठ महीने में मनाया जाता है। उपवास तीन दिनों तक चलता है। ये त्रयोदशी से शुरू होकर पूर्णिमा (पूर्णिमा) या अमावस्या (अमावस्या) के दिन समाप्त होता है। यदि कोई महिला तीनों दिन उपवास करने में असमर्थ है, तो वह केवल अंतिम दिन उपवास करने का विकल्प चुन सकती है। इस व्रत का उद्देश्य सुखमय और स्थायी विवाह का आशीर्वाद प्राप्त करना है। इस वर्ष वट सावित्री व्रत 26 मई 2025 को पड़ेगा। पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व है। इस दिन महिलाएं वट वृक्ष की पूजा करती हैं, व्रत कथा सुनती हैं और व्रत का पालन करती हैं। शुभ मुहूर्त में पूजा करने से पुण्य और वरदान प्राप्त होते हैं।

वट सावित्री व्रत का शुभ मुहूर्त

अमृत-प्रात: 05:25 से प्रात: 07:08 तक

शुभ-सुबह 08:52 बजे से सुबह 10:35 बजे तक

लाभ- दोपहर 03:45 बजे से शाम 05:28 बजे तक

जानिए वट सावित्री व्रत का महत्व

वट सावित्री व्रत को करने से पति की लंबी उम्र, सुखी दांपत्य जीवन और अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथा के अनुसार, सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस लिए थे, जिससे यह व्रत अत्यंत प्रभावशाली माना जाता है।

वट सावित्री व्रत हिंदू संस्कृति में एक महत्वपूर्ण उत्सव है, जो मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा मनाया जाता है जो अपने पतियों और बच्चों की भलाई और दीर्घायु की कामना करती हैं। उत्सव की तारीख चंद्र कैलेंडर के अनुसार अलग-अलग होती है, जिसके परिणामस्वरूप उत्तरी और दक्षिणी भारत इसे लगभग 15 दिनों के अंतराल पर मनाते हैं। कहानी के अनुसार, देवी सावित्री इतनी समर्पित थीं कि उन्होंने अपने पति सत्यवान के जीवन को बहाल करने के लिए भगवान यमराज को मना लिया। परिणामस्वरूप, विवाहित महिलाएं वट वृक्ष और देवी सावित्री का सम्मान करती हैं, और अपने परिवार के लिए उनका आशीर्वाद मांगती हैं। वट सावित्री व्रत के दौरान, महिलाएं बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं, जो तीन प्रमुख देवताओं- ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक है। महिलाएं अपने पति के लिए सुरक्षा और सौभाग्य की कामना के लिए इस अवधि के दौरान उपवास करती हैं। यह उत्सव पूरे भारत में खुशी और श्रद्धा से भरा हुआ है, और इसका संदर्भ भविष्योत्तर पुराण और स्कंद पुराण जैसे हिंदू ग्रंथों में दिया गया है। देवी सावित्री की भक्ति से प्रेरित होकर, विवाहित महिलाएं अपने पतियों के स्वास्थ्य की रक्षा करने और अपने परिवार की सहायता के लिए वट वृक्ष और देवी सावित्री का सम्मान करती हैं।

पंडितों के अनुसार वट सावित्री व्रत पर महिलाएं जल्दी उठकर तिल और आंवले से स्नान करती हैं। वह नए वस्त्र पहनते हैं और सोलह-श्रृंगार करती हैं। तीन दिनों तक उपवास करने वाली महिलाएं इस अवधि के दौरान केवल जड़ों का सेवन करती हैं। बरगद के पेड़ की पूजा करते समय वे उसके चारों ओर एक पीला या लाल धागा लपेटती हैं, जल, फूल और चावल चढ़ाती हैं और प्रार्थना करते हुए उसकी परिक्रमा करती हैं। यदि आप बरगद के पेड़ के दर्शन नहीं कर सकती हैं, तो आप लकड़ी या प्लेट पर हल्दी या चंदन के लेप से उसका चित्र बना सकती हैं और पेड़ की पूजा कर सकती हैं। पूजा के बाद अनोखे व्यंजन तैयार किए जाते हैं और दोस्तों और परिवार के बीच साझा किए जाते हैं। वट सावित्री व्रत के दौरान जरूरतमंदों को दान देना बेहद पुण्यकारी होता है। कई व्यक्ति उन लोगों को धन, भोजन और कपड़े दान करते हैं जिन्हें सहायता की आवश्यकता होती है। दूसरों की सहायता करने से आपको सकारात्मक परिणाम मिलते हैं। जो महिलाएं इस व्रत का पालन करती हैं, उनका लक्ष्य अपने पति की भलाई और स्वास्थ्य सुनिश्चित करना है, साथ ही वे अपने परिवार की समृद्धि में भी योगदान देती हैं।

तुलसी के पौधे के पास बैठकर करें पूजा

पुराणों के अनुसार वट सावित्री व्रत में वट की पूजा का खास महत्व है, लेकिन अगर वट वृक्ष न मिल पाए, न उसकी डाली, और न ही मिट्टी उपलब्ध हो, तो एक और विकल्प मौजूद है वह है तुलसी का पौधा। तुलसी हिन्दू धर्म में अत्यंत पूजनीय मानी जाती है और घर में ही उपलब्ध होती है। ऐसी स्थिति में आप तुलसी के पास बैठकर श्रद्धा और विधि के साथ व्रत की पूजा कर सकती हैं। वहां पर आप व्रत की कथा सुनें, व्रत की भावना को आत्मसात करें और मन से संकल्प लें। इस रूप में भी व्रत पूर्ण माना जाता है।

वट वृक्ष की पूजा का महत्व

वट वृक्ष यानी बरगद का पेड़ को हिंदू धर्म में अमरत्व का प्रतीक माना जाता है। वट सावित्री व्रत के दिन वट वृक्ष की पूजा करने से पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। यह वृक्ष दीर्घायु और स्थायित्व का प्रतीक है, इसलिए इसकी पूजा विशेष महत्व रखती है।

वट सावित्री व्रत में बरतें ये सावधानियां

पंडितों के अनुसार व्रत के दिन तामसिक भोजन से परहेज करें। व्रत का संकल्प लेकर ही पूजा करें। पूजा के समय मन को शांत और एकाग्र रखें। व्रत कथा का पाठ अवश्य करें।

वट सावित्री व्रत में भावना और श्रद्धा है सबसे महत्वपूर्ण

वट सावित्री व्रत में किसी भी पूजा में स्थान या सामग्री से ज़्यादा महत्वपूर्ण होती है आपकी श्रद्धा और भावना। यदि आप सच्चे मन से, आस्था के साथ व्रत करती हैं तो वट वृक्ष की शारीरिक अनुपस्थिति आपके पुण्य या फल में कोई कमी नहीं लाती। सावित्री ने अपने संकल्प और निष्ठा से यमराज तक को झुका दिया था। उसी भावना से अगर आप व्रत करें, तो परिणाम भी उतना ही फलदायी होगा।

जलवायु परिवर्तन और भारत की रणनीति

वर्तमान मई 2025 के महीने में पारा दिन प्रतिदिन नित नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है और अपने पुराने सारे रिकॉर्ड को तोड़ रहा है यह मनुष्य द्वारा किए गए किसी एक दिन का कर्म फल नहीं है बल्कि यह उसके साड़ियों का कर्म फल है औद्योगिक क्रांति जो की 18वीं सदी में शुरू हुई थी उस समय वातावरण में कार्बन की मात्रा 0.003 प्रतिशत के आसपास थी किंतु यह वर्तमान समय में उसकी तुलना में लगभग डेढ़ गुना पहुंच गई है और यह वैश्विक तापमान बढ़ाने का कार्य करती है अर्थात पृथ्वी के लिए एक कंबल का कार्य करती है सीधे शब्दों में कहें तो सूर्यातप जो पृथ्वी की ओर आता है तो उसे वह अंदर आने देती है किंतु बाहर जब वापस जाती है तो उसे जाने से रोक लेती है और इसे ही हरित गृह प्रभाव कहा जाता है चूंकि कार्बन डाई ऑक्साइड के बढ़ने का कारण हमारे आर्थिक लाभ की लालसा है औद्योगिक क्रांति के लिए हमने जो भी कार्य किए हैं जितने भी इंडस्ट्री लगाए हैं और उद्योगों का परिचालन किया है हमारे यातायात के साधन हैं जिनसे कार्बन उत्सर्जन दिन पर दिन बढ़ा है इस कार्बन उत्सर्जन को रोकने के लिए हमें अधिक से अधिक अपनी अर्थव्यवस्था को कार्बन न्यूट्रल की ओर ले जाना होगा जो कि भारत ने स्वयं 2070 तक कार्बन न्यूट्रल होने का लक्ष्य घोषित किया है और कहा है कि वह कार्बन न्यूट्रल देश बनेगा किंतु यह केवल एक दिन में नहीं होने वाला है इसके लिए हमें सतत प्रयास करना होगा इसके लिए सरकार को और यहां के लोगों को मिलकर कार्य करना होगा जहां सरकार को एक और यातायात के साधनों को इलेक्ट्रिक व्हीकल में कन्वर्ट करना होगा साथ ही साथ हाइड्रोजन वैकल्पिक ईंधन के रूप में इस्तेमाल करना होगा ताप विद्युत संयंत्र के स्थान पर पवन चक्की व सौर ऊर्जा पर आधारित ताप ग्रह का निर्माण करना होगा तथा अर्थव्यवस्था को इस प्रकार से परिवर्तित करना होगा कि वनों पर वह आधारित हो जाए जैसे बायो फ्यूल बायोप्लास्टिक जो की वनों से मिलते हैं तथा बायो कंक्रीट जो कि हमें वनों से प्राप्त होगी बायो कंक्रीट के अंतर्गत ऐसे वनों के उत्पाद को बढ़ावा दिया जाता है जो की सर्दी और गर्मी अर्थात बरसात और धूप में टिकाऊ रहते हैं और उनमें आग भी नहीं लगती है।

भारत के संविधान में अनुच्छेद 48 अ के तहत कहा गया है कि सरकार पर्यावरण के रक्षा के लिए कार्य करेगी वहीं भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51ए (जी) के तहत कहा कहा गया है कि पर्यावरण की रक्षा करना भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा इसलिए क्योंकि जलवायु परिवर्तन हो रहा है और इससे हमें लड़ना होगा और यह हम सब नागरिकों का कर्तव्य है और इसके लिए हमें मिलकर के सबको प्रयास करना होगा बच्चे से लेकर बूढ़ों तक को सबको मिलकर के साथ कार्य करना होगा तभी जलवायु परिवर्तन से बचा जा सकेगा।

बाल गोविंद साहू

फिर देश की जीवन रेखा बन जाएगा जल संचयन

वर्षा जल संचयन एक पारंपरिक लेकिन अत्यंत प्रभावी तकनीक है, जो वर्षा के जल को इकट्ठा कर विभिन्न उपयोगों हेतु संग्रहीत करती है। भारत में बढ़ते जल संकट और शहरीकरण के चलते इसकी महत्ता और आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यह एक पर्यावरण-संवेदनशील, कम लागत और टिकाऊ समाधान प्रदान करता है।भारत में वर्षा जल संचयन बाजार का मूल्य वर्ष 2024 में लगभग 263 मिलियन अमेरिकी डॉलर आंका गया था। इसके 2030 तक 378 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। वर्षा जल संचयन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें वर्षा के जल को इकट्ठा करके, संगृहीत कर विभिन्न उपयोगों हेतु प्रयोग किया जाता है। जिससे यह जल व्यर्थ बहने के बजाय एक उपयोगी संसाधन बन जाता है। एक टिकाऊ तकनीक छतों, ज़मीन की सतहों अथवा अन्य संग्रहण क्षेत्रों से वर्षा जल को पाइपों या नालियों के माध्यम से टंकियों, हौदों अथवा जलाशयों में पहुंचाकर संचयित करती है। यह एक प्राचीन परंपरा है, जिसे आज जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए पुन: अपनाया जा रहा है।

संगृहीत वर्षा जल का उपयोग सिंचाई, घरेलू जरूरतों, औद्योगिक प्रक्रियाओं और भूजल पुनर्भरण के लिए किया जा सकता है। यह न केवल नगरपालिका जल आपूर्ति पर निर्भरता को घटाता है, बल्कि मिट्टी के कटाव को रोकने और शहरी बाढ़ को कम करने में भी सहायक होता है। इसके अतिरिक्त, यह आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है और अनिश्चित वर्षा वाले क्षेत्रों में एक स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराता है।

यह पर्यावरण-मित्र विधि विशेष रूप से शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में अत्यंत लाभदायक है, जहां जल संसाधनों की भारी कमी है। यह एक कम लागत और सरल पद्धति है, जिसे व्यक्तिगत आवासों से लेकर सामुदायिक परियोजनाओं तक विभिन्न स्तरों पर अपनाया जा सकता है। यदि इसे शहरी और ग्रामीण योजना में समाहित किया जाए तो जल संकट का समाधान संभव है और टिकाऊ जल प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकता है।

केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा जल प्रबंधन को लेकर सख्त नीतियां लागू की गई हैं। जैसे कि 'अमृत मिशन' में वर्षा जल संचयन को शहरी जल संकट के समाधान का अभिन्न अंग बनाया गया है। तमिलनाडु जैसे राज्यों ने सभी भवनों में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य कर दिया है, जो अब देश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जा रहा है। तमिलनाडु ने यह पहल 2001 में शुरू की गई थी। इसके अलावा, स्थानीय निकाय करों में छूट और वित्तीय सहायता भी प्रदान करते हैं जिससे इन प्रणालियों की स्थापना को प्रोत्साहन मिलता है। 2023 में केंद्रीय भूजल बोर्ड के अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु में निगरानी किए गए 72 फीसदी कुओं में भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव जैसे अनियमित वर्षा और सूखे की घटनाओं ने वर्षा जल संचयन की आवश्यकता को बढ़ा दिया है। गैर-सरकारी संगठनों, स्कूलों और मीडिया द्वारा चलाए जा रही जागरूकता अभियानों ने लोगों को इस दिशा में प्रेरित किया है।भारत का शहरीकरण तीव्र गति से हो रहा है—2021 में लगभग 500 मिलियन की शहरी आबादी 2031 तक 600 मिलियन तक पहुंचने की संभावना है। शहरी क्षेत्र जहां कंक्रीट का वर्चस्व होता है, वहां वर्षा जल का प्राकृतिक भूजल पुनर्भरण बहुत कम हो पाता है। ऐसी स्थिति में वर्षा जल संचयन एक अनिवार्य आवश्यकता बन गया है।

दरअसल, इस अभियान की एक प्रमुख चुनौती जनसामान्य में तकनीकी जानकारी और जागरूकता की कमी है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। अनेक लोग इसे जटिल और महंगा मानते हैं, जिससे इसका व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन प्रभावित होता है। तकनीकी विशेषज्ञता की कमी, गलत डिज़ाइन और रखरखाव में लापरवाही के कारण कई प्रणालियां विफल हो जाती हैं।इसके अतिरिक्त, वित्तीय बाधाएं भी हैं। गरीब वर्ग और छोटे किसान इस प्रणाली की लागत वहन नहीं कर पाते, ।

तो क्या राहुल गाँधी नें फिर उठाया भारतीय सैन्य गतिविधियों पर सवाल..!

देखिए राहुल गाँधी तब भारतीय सैन्य अधिकारीयों के बहादुरी पर प्रश्न चिन्ह लगाते नजर आए ज़ब उन्होंने एस जयशंकर से सैन्य गतिविधियों को लेकर कई बकवास सवाल पूछ डाले जिसका सीधा लाभ पाकिस्तानी हिमायती देशों को होगा । कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी प्रचार कर रहे हैं कि पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर हमला करने से पूर्व विदेशमंत्री ने पाकिस्तान को सूचना दे दी थी कि हम आतंकी ठिकानों को उड़ाने जा रहे हैं । पाकिस्तान ने आतंकियों को निकाल लिया तब भारत ने हमला किया।भारत के महान प्रदर्शन पर गर्व करने की बजाय कितने हवाई नाटक कर रही है कांग्रेस । वास्तव में किस कदर जल भुन रही है इसका पता बयानों से लग रहा है । अब कैसा प्रचार किया ? मानों कूटनीति के अद्भुत जानकार जयशंकर कूटनीति करने की बजाय खुद ही दुश्मन को पूर्व जानकारी देकर भारत की विजय हल्का बना रहे हों । पहलगाम के तुरंत बाद जब कांग्रेस को पता चला कि यह तो कश्मीर के बाद एक और हिन्दू जेनोसाइट हो गया है , कांग्रेस उसे हल्का करने में जुट गई । इसमें कोई शक नहीं इस संक्षिप्त युद्ध में पाकिस्तान की जबरदस्त पिटाई हुई है । साथ में चीन और तुर्की के हथियारों की भी पोल खुल गई । हम जानते हैं कि चीन एक बड़ा ताकतवर देश है । पर इस बार वह भारत से सीधा पंगा मोल नहीं ले रहा । बहरहाल , पाकिस्तान प्रति हमारी सेनाएं सतर्क है । कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से दुनिया पहलगाम के सच को जान जाए इसके लिए संसदीय दलों की यात्राएं बहुत महत्वपूर्ण हैं ।

पंकज सीबी मिश्रा /राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पाकिस्तान ने आतंकियों को निकाल लिया तब भारत ने हमला किया।भारत के महान प्रदर्शन पर गर्व करने की बजाय कितने हवाई नाटक कर रही है कांग्रेस । वास्तव में किस कदर जल भुन रही है इसका पता बयानों से लग रहा है । अब कैसा प्रचार किया ? मानों कूटनीति के अद्भुत जानकार जयशंकर कूटनीति करने की बजाय खुद ही दुश्मन को पूर्व जानकारी देकर भारत की विजय हल्का बना रहे हों । पहलगाम के तुरंत बाद जब कांग्रेस को पता चला कि यह तो कश्मीर के बाद एक और हिन्दू जेनोसाइट हो गया है , कांग्रेस उसे हल्का करने में जुट गई । इसमें कोई शक नहीं इस संक्षिप्त युद्ध में पाकिस्तान की जबरदस्त पिटाई हुई है ।

पसीना पसीना सुप्रिया श्रीनेत तो नथुने फुला फुलाकर हांफते हुए सरकार पर निशाने पर निशाना लगाने में जुटी हुई हैं । अब क्या बताएं ! संक्षिप्त युद्ध के चलते हुए विपक्ष को किस तरह दम घोंटकर बैठना पड़ा होगा अब पता चल रहा है । विदेश मंत्री ने क्या कहा जरा उसे समझ लीजिए । युद्ध रत देशों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल निर्धारित है , विदेश मंत्री ने उसी के अनुसार नियम पालन किया ।दुश्मन देश के सैन्य ठिकानों पर हमले के बाद बताया जाता है कि हमने उन उन सैन्य ठिकानों पर हमला किया , एक भी नागरिक क्षेत्र पर हमला नहीं किया ।

एप्टाबाद में लादेन को मार डालने के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने भी ऐसी ही जानकारी पाकिस्तान को दी थी । एस जयशंकर ने भी यही बताया कि हमने आपके 11 सैन्य एयरबेस और 9 आतंकी ठिकाने नष्ट कर दिए हैं । एक भी नागरिक बस्ती को छेड़ा नहीं गया है । जबकि पाकिस्तान कश्मीर में लगातार नागरिकों पर बम बारी कर रहा है । बताइए ! 22 अप्रैल के बाद तमाम विपक्ष दम घोंटते हुए समर्थन तो करता रहा , लेकिन कांग्रेस की मजबूरी किसी न किसी रूप में रोजाना उजागर होती रहीं । युद्ध में सीजफायर चल रहा है । जब तक पूर्ण युद्ध विराम नहीं हो जाता चिंता बनी रहेगी ।सीजफायर होने के कारण जो भी रहे हों सभी चाहते थे कि पाकिस्तान की थोड़ी और बर्बादी होती ताकि वह खड़ा न हो पाता । इतनी कड़ी मार के बाद भी यदि मुनीर जबरन प्रमोशन लेकर फील्ड मार्शल बन गया , यह पाकिस्तान के हल्केपन का जबरदस्त उदाहरण है और इतनी चुनावी हार के बाद मोदी सरकार से खार खाए राहुल फिर झूठ और मक्कारी का नया पुलिंदा लेकर बैठ गए है ।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

पांच साल की बेटी को सुलाकर मां ने फंदा लगा दी जान, दरवाजा तोड़कर निकाला गया शव

बीपीएस न्यूज

कानपुर। महिला की आत्महत्या का मामला सामने आया है। घटना गोविंदनगर क्षेत्र की है। मायके पक्ष ने पति के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया।

गोविंद नगर क्षेत्र में एक मां अपनी पांच साल की बेटी को सुलाकर हमेशा के लिए मौत की नींद सो गई। उनका शव फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। मायके पक्ष ने पति के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

गोविंद नगर में कच्ची बस्ती निवासी कोमल (25) की शादी छह वर्ष पूर्व क्षेत्र के विकास से हुई। दोनों के पांच साल की बेटी चाहत है। कोमल के भाई संजू ने आरोप लगाया कि विकास उनकी बहन को दहेज के लिए हमेशा परेशान करता था। अक्सर विवाद के चलते वह भागकर घर आ जाती थी। उन लोगों ने कई बार समझौता कराया, लेकिन पति और उसके परिजनों की प्रताड़ना कम नहीं हुई। बुधवार को उसने बेटी को सुलाने के बाद फंदे से लटककर जान दे दी। गोविंद नगर इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह के अनुसार मायके पक्ष ने तहरीर दी है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगाने से मौत की पुष्टि हुई है।

रंगदारी मामले में भी दीनू उपाध्याय की पांच जून तक न्यायिक हिरासत मंजूर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पिंटू सेंगर हत्याकांड में जेल भेजे गए अधिवक्ता धीरज उपाध्याय उर्फ दीनू को नवाबगंज थाने में दर्ज धोखाधड़ी, रंगदारी और षड्यंत्र के आरोप से संबंधित मुकदमे में भी पांच जून तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। लगभग एक घंटे चली सुनवाई के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट तृतीय की अदालत से रिमांड मंजूर कर वापस जेल भेज दिया गया। कटरी ख्योरा स्थित एक संपत्ति का गलत तरीके से एग्रीमेंट कराने से संबंधित मुकदमे में धोखाधड़ी, रंगदारी और षड्यंत्र के मामले में धीरज उपाध्याय उर्फ दीनू को गुरुवार को न्यायालय में पेश किया गया। नवाबगंज निवासी राजाराम वर्मा के बेटे नरेंद्र देव ने रामखिलावन, विमला देवी और शुभम के खिलाफ 17 दिसंबर 2024 को नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसी मुकदमे की विवेचना के दौरान दीनू का नाम सामने आया था। विवेचक की ओर से दीनू को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए कोर्ट में अर्जी दी गई।

इस पर दीनू के अधिवक्ता शिवाकांत दीक्षित ने आपत्ति जताते हुए तर्क रखा कि विवेचक ने मुकदमे में गिरफ्तारी से संबंधित कोई आधार पेश नहीं किया है। वहीं, अभियोजन अधिकारी अजय श्रीवास्तव व आराध्य मिश्रा ने बताया कि दीनू पहले से ही एक मुकदमे में जेल में बंद है। यह पुराना मुकदमा है, इसलिए इसमें गिरफ्तारी के लिए आधार बताना जरूरी नहीं है। रिमांड मंजूर की जानी चाहिए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने दीनू को पांच जून तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दीनू की सुनवाई के दौरान एक तरफ बार व लॉयर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों, यूपी बार काउंसिल के उपाध्यक्ष समेत भारी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे तो दूसरी तरफ पुलिस ने भी किसी भी टकराव की स्थिति से बचने के लिए भारी पुलिस बल व पीएसी तैनात कर रखी थी। एलआईयू के लोग भी पल-पल की गतिविधियों से अफसरों को आगाह करा रहे थे।

गुरुवार को जेल में बंद दीनू को कोर्ट लाया गया। दीनू के भाई संजय भी सुनवाई के लिए कोर्ट पहुंचे थे। दीनू और संजय आमने-सामने आए तो एक-दूसरे के गले लिपटकर फूटकर रोने लगे। दीनू बार-बार यही कहते रहे कि उन्होंने किसी की जमीन नहीं कब्जाई, कोई फर्जीवाड़ा नहीं किया। उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाकर जेल में बंद रखने की साजिश रची जा रही है।

पत्नी को खुदकुशी के लिए उकसाने में डॉक्टर को आठ साल की कैद, फरार आरोपी ने कोर्ट में किया समर्पण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पत्नी को खुदकुशी के लिए उकसाने के दोषी डॉ. सुशील कुमार वर्मा को अपर जिला जज 14 की अदालत ने आठ साल कैद और 1.10 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट का फैसला मंगलवार को ही आना था, लेकिन फैसला सुनाए जाने के समय डॉ. सुशील कोर्ट नहीं पहुंचने पर उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हो गया था। गुरुवार को डॉ. सुशील कोर्ट में हाजिर हुए, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें सजा सुना दी।

प्रयागराज के नैनी कॉलोनी निवासी अर्जुन प्रसाद ने बेटी डॉ. मंजू वर्मा की शादी 29 जनवरी 2019 को रायबरेली के आईटीआई कॉलोनी निवासी डॉ. सुशील कुमार वर्मा से की थी। शादी के बाद दोनों कानपुर में बिठूर सिंहपुर रोड स्थित अपार्टमेंट में रहने लगे। 14 मई 2024 को डॉ. मंजू वर्मा की अपार्टमेंट की आठवीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। अर्जुन ने बिठूर थाने में डॉ. सुशील कुमार वर्मा व अन्य ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि दहेज में फ्लैट खरीदने के लिए 30 लाख रुपये की मांग पूरी न होने के कारण डॉ. सुशील ने पत्नी को बिल्डिंग की आठवीं मंजिल से फेंक दिया था, जिससे मंजू की मौत हो गई थी।

एडीजीसी शिवभगवान गोस्वामी ने बताया कि अभियोजन की ओर से मंजू के माता-पिता समेत 12 गवाह कोर्ट में पेश किए गए। कोर्ट ने माना कि सबूतों और गवाहों से यह साबित होता है कि अभियुक्त अक्सर अपनी पत्नी के साथ लड़ाई-झगड़ा कर शारीरिक व मानसिक क्रूरता करता था। घटना के दिन भी उसने मारपीट की, जिससे आहत होकर पत्नी ने खुदकुशी कर ली। सबूतों और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने डॉ. सुशील को दहेज हत्या के आरोप से मुक्त कर दिया और खुदकुशी के लिए उकसाने का दोषी मानकर सजा सुनाई।

एमडी की तैयारी कर रही डॉक्टर को मौत चुनने के लिए किया मजबूर

सजा पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से तर्क रखा गया कि अभियुक्त पेशे से डॉक्टर है। उसका पांच साल का बेटा है, जो उसके साथ रहता है और उसकी परवरिश की जिम्मेदारी अभियुक्त पर ही है, इसलिए सजा में रहम बरती जाए। वहीं, एडीजीसी शिवभगवान गोस्वामी ने तर्क रखा कि मंजू भी डॉक्टर थी। एमडी की तैयारी कर रही थी, लेकिन अभियुक्त ने शारीरिक और मानसिक रूप से इतना प्रताड़ित किया कि उसे मौत का रास्ता चुनने को मजबूर होना पड़ा। सजा पर सुनवाई के दिन भी अभियुक्त फरार हो गया। उसका आचरण देखकर सख्त सजा दी जानी चाहिए।

कमरे में मिला ट्रांसपोर्ट कर्मी का शव, विसरा सुरक्षित किया गया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बाबूपुरवा थानाक्षेत्र में गुरुवार सुबह किराये के कमरे में एक ट्रांसपोर्ट कर्मी का शव मिला। प्रयागराज के थाना हंडिया के ग्राम जसवा निवासी रामसागर पांडेय का बेटा सतीश पांडेय (29) पीएसपी ट्रांसपोर्ट में अहमदाबाद में काम करता था। दो माह पहले बाबूपुरवा में ट्रांसपोर्टनगर में इसी कंपनी में ट्रांसफर होकर आया था। बाबूपुरवा इलाके में ही कमरा लेकर रह रहा था। बड़े भाई संजय पांडेय ने बताया कि गुरुवार सुबह सतीश को कई बार फोन किया, लेकिन रिसीव नहीं हुआ।

इसके बाद उसकी ट्रांसपोर्ट में जानकारी की गई तो पता चला कि वह आज काम नहीं आाया। उन्होंने ट्रांसपोर्ट के दूसरे साथी कर्मी को कमरे में जाकर देखने के लिए कहा। वह पहुंचा तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी खटखटाने और आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी। बाबूपुरवा इंस्पेक्टर फोर्स के साथ पहुंचे और आसपास रहने वालों से पूछताछ की। लोगों की मदद से दरवाजा तोड़ा तो जमीन पर युवक का शव पड़ा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत कारण स्पष्ट न होने से विसरा सुरक्षित किया गया है।

साहब, बंदरों के आतंक से दिलाए निजात

बीपीएस न्यूज

कानपुर। तहसील क्षेत्र के ग्राम धरवार में बंदरों के आतंक से परेशान ग्रामीणों ने बृहस्पतिवार को एसडीएम कुमार सत्यमजीत को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बंदरों को पकड़वाए जाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि बुधवार सुबह बंदरों ने गांव निवासी संध्या पत्नी संजय कुमार पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

इसके पहले भी बंदर के झुंड हमलावर हो चुके हैं और कई लोगों को काटकर घायल कर चुके हैं। अभी तक उन्हें छुट्टा गोवंश से फसल की रखवाली करनी पड़ती थी अब बंदरों के झुंड भी खेतों में पहुंच जाते हैं और फसल उजाड़ देते हैं।

इसके साथ ही लोगों के बाग में बंदरों की टोलियां डेरा डाले रहती हैं। आम आदि की फसल को नुकसान पहुंचा रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस समय गांव में ही लगभग 200 से अधिक बंदर हैं जो लोगों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। सबसे ज्यादा डर स्कूल आने जाने वाले छोटे बच्चों को रहता है, बंदरों की टोली इन पर भी हमलाकर देती है।

गांव के मुन्नीलाल, जितेन्द्र कुमार, कुलदीप केहरिया, अमित पान, अमीरूल, सोनू कुमार आदि ने प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द बंदरों को पकड़वाने का इंतजाम किया जाए। वन दरोगा बबलू चौहान का कहना है कि जिले में अभी बंदर पकड़ने के लिए कोई टीम नहीं है। अगर प्रशासन योजना बनाता है तो इस पर विचार किया जाएगा।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के विशेषज्ञों की पांच सदस्यीय टीम ने की जांच, वन्य जीवों के लिए नमूने

बीपीएस न्यूज

कानपुर। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की टीम ने बुधवार को चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू के संक्रमण की स्थिति का जायजा लिया। वन्यजीवों के स्वास्थ्य और बर्ताव को लेकर जहां चिकित्सकों से बातचीत की, वहीं बाघ, शेर, देसी भालू, शुतुरमुर्ग, गैंडा और पक्षियों के रैंडम सैंपल लिए गए। टीम में शामिल विशेषज्ञों ने परेड और नवाबगंज की पोल्ट्री फार्म से नमूने लिए।

गोरखपुर चिड़ियाघर से कानपुर चिड़ियाघर लाए गए बीमार बब्बर शेर (पटौदी) से बर्ड फ्लू फैला है। संक्रमण से शेर, मोर और एक बतख की मौत हो चुकी है। बतख के साथ ही एक दर्जन से अधिक वन्य जीवों का सैंपल जांच के लिए भोपाल भेजा था, लेकिन उनकी अब तक रिपोर्ट नहीं आई है। संक्रमण के खतरे को देखते हुए चिड़ियाघर प्रशासन ने सतर्कता बरती है। बुधवार को केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की टीम सुबह 10 बजे जांच और इसके नियंत्रण के लिए चिड़ियाघर पहुंची।

टीम में डिपार्टमेंट ऑफ एनिमल हसबेंडरी दिल्ली के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. विजय कुमार तेवतिया, राष्ट्रीय उच्च पशु रोग संस्थान भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार, आईवीआरआई बरेली के वाइल्ड लाइफ प्रमुख डॉ. एम पावड़े और वैज्ञानिक डॉ. एम करिकलन, वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.करन जैन शामिल रहे। एक टीम ने चिड़ियाघर के अंदर पक्षियों के मल, शेर, बाघ, गैंडा के नाक के बाल और लार का सैंपल लिया। मृत शेर, मोर व बतख के बाड़े का पानी व मिट्टी का नमूना लिया।

उन दो बाघिन का भी सैंपल लिया जो तीन दिन पहले भोजन नहीं कर रहीं थी। टीम के सदस्यों ने विशेष रूप से झील, तालाब, वन्यजीवों के पानी पीने के लिए बनाए गए हौज व पानी के एकत्र होने के अन्य स्थानों का निरीक्षण कर नमूने लिए। दूसरी टीम ने चिड़ियाघर के डाक्टरों से वन्यजीवों के खान-पान और इलाज की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। देर शाम तक टीम सैंपल लेकर रवाना हो गई। टीम अपनी रिपोर्ट केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को सौंपेगी। चिड़ियाघर की निदेशक श्रद्धा यादव ने बताया कि केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की टीम ने वन्यजीवों, पानी, मिट्टी के नमूने एकत्र करने के साथ अन्य जानकारियां भी जुटाई हैं।

चाकू व मांस काटने की लकड़ी की भी जांच

वैज्ञानिकों व चिकित्सकों की टीम ने मांसाहारी जीवों को भोजन देने के लिए बनाए गए मीट हाउस का निरीक्षण किया। उन्होंने मांस काटने में प्रयोग किए जाने वाले चाकू व लकड़ी से भी नमूने संग्रहित किए। वन्यजीवों को दिए जाने वाले भोजन की भी जांच की।

खत्म हो चुके ई-वे बिल पर जा रही प्रतिबंधित 10375 किलोग्राम पॉलिथीन पकड़ी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। एसजीएसटी के अफसरों ने खत्म हो चुके ई-वे बिल पर ले जा रहे 10375 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलिथीन कैरी बैग पकड़े। वाहन के भौतिक सत्यापन के बाद ये खुलासा हुआ। बाद में पूरा माल नगर निगम के अफसरों को सौंप दिया गया। अपर आयुक्त राज्य कर कानपुर जोन-प्रथम सैमुअल पॉल एन के निर्देशन में सचल दल द्वितीय इकाई ने 17 मई को रात में ट्रांसपोर्टनगर में वाहन संख्या यूपी78डीटी7290 को जांच के लिए रोका था प्राथमिक कार्रवाई के बाद वाहन में लदे माल को लखनपुर स्थित राज्य कर कार्यालय भौतिक सत्यापन के लिए ले जाया गया। इसमें प्लास्टिक कैरी बैग की 415 बोरियां मिलीं। प्रत्येक बोरी का वजन 25 किलोग्राम था। कुल वजन 10375 किलोग्राम था। शासन ने इन कैरी बैग को प्रतिबंधित किया है। उच्च अफसरों के निर्देश पर नगर निगम के प्रवर्तन अधिकारी आलोक नारायण को जानकारी दी गई। लखनपुर कार्यालय से आए नगर निगम के अधिकारियों को माल सुपुर्द किया गया। अपर आयुक्त ग्रेड दो एसआईबी संजय पाठक ने बताया कि जांच में पता चला कि अवधि समाप्त हो चुके ई-वे बिल का इस्तेमाल कर प्रतिबंधित कैरी बैग ले जाए जा रहे थे। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ग्वालटोली में एलपीजी सिलिंडर और एनआरआई सिटी के जंगल में लगी आग

कानपुर। ग्वालटोली और नवाबगंज थानाक्षेत्र में बुधवार सुबह दो अलग-अलग जगह आग लग गई। दमकल कर्मियों ने दोनों ही जगह कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया। आग से किसी प्रकार का कोई खास नुकसान नहीं हुआ है। ग्वालटोली में चूड़ी वाली गली निवासी गुड्डू के घर पर एलपीजी सिलिंडर में आग लग गई। सिलिंडर में आग से दहशतजदा परिवार के लोग घर से बाहर भाग गए। मिनी कंट्रोल रूम में मिली सूचना के आधार पर कर्नलगंज फायर स्टेशन से पहुंचे दमकल कर्मियों ने तत्काल आग को बुझा दिया। वहीं, नवाबगंज इलाके में मैनावती मार्ग पर स्थित एनआरआई सिटी के जंगल में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। आसपास के लोगों ने 10:18 बजे घटना की जानकारी कंट्रोल रूम को दी। कर्नलगंज और लाटूश रोड फायर स्टेशन से पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। दमकल कर्मियों के अनुसार किसी ने बीड़ी या सिगरेट पीकर फेंक दिया होगा, जिससे आग लग गई।

हाईवे पर पलटी मवेशियों से लदी पिकअप, ग्रामीणों ने चार मवेशी लूटे

कानपुर। हाईवे पर महाराजपुर में बुधवार दोपहर टायर फटने से मवेशियों से भरी पिकअप पलट गई। परिचालक का आरोप है कि मौके पर पहुंचे ग्रामीण सहायता करने के बजाए मारपीट कर चार मवेशी लूट ले गए। मूलरूप से उन्नाव के रहने वाका चालक निजाम परिचालक नाजिर के साथ खुजुआ से 11 मवेशी लेकर उन्नाव जा रहा था बुधवार को वह महाराजपुर में तिवारीपुर ओवरब्रिज के पास पहुंचा ही था कि अगला टायर फटने से पिकअप अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गया। हादसे में एक मवेशी की मौत हो गई जबकि अन्य मवेशी घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। आरोप है कि उन्हें सहायता करने के बजाए मारपीट करते हुए चार मवेशी लूट लिए और भाग निकले। मारपीट के चलते चालक मौके से भाग निकला। परिचालक ने बताया कि काफी खोजबीन के बाद भी मवेशियों का कुछ पता नहीं चल सका।

पांच पेट्रोल पंपों के मालिकों को सम्मानित किया गया

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के पांच पेट्रोल पंपों के मालिकों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने पंपों पर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। यह सम्मान उन पेट्रोल पंप मालिकों को दिया गया है, जिन्होंने अपने पंपों पर अच्छी सुविधाएं प्रदान की हैं और ग्राहकों की जरूरतों का ध्यान रखा है। आधारभूत सुविधाएंरू पेट्रोल पंपों पर आधारभूत सुविधाएं जैसे कि शौचालय, पीने के पानी की व्यवस्था, और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होना। ग्राहक सेवा जिसके द्वारा पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को अच्छी सेवा प्रदान करना और उनकी जरूरतों का ध्यान रखना है इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि पेट्रोल पंपों की गुणवत्ता में सुधार पेट्रोल और उन्हें बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करना इस सम्मान का उद्देश्य है ग्राहकों को बेहतर अनुभव, पेट्रोल पंपों पर अच्छी सुविधाएं प्रदान करने से ग्राहकों को बेहतर अनुभव मिलता है जिससे वे संतुष्ट होते हैं जिलाधिकारी द्वारा पेट्रोल पंप मालिकों को सम्मानित करना एक सराहनीय कदम है, जो पेट्रोल पंपों की गुणवत्ता में सुधार करने और ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

फतेहपुर में दुष्कर्म के छात्रा की हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई

साथ ही 81 हजार का जुर्माना भी लगाया है। दरिंदे के एक दोस्त और दूसरे दोस्त की मां को सात साल की कैद सुनाई है। इन पर 11-11 हजार का अर्थदंड लगाया है। जहानाबाद के खैराबाद जंगल में 30 मई 2022 को दिनदहाड़े छात्रा के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की गई थी।

बीपीएस न्यूज

यूपी के फतेहपुर में दुष्कर्म के बाद छात्रा की ब्लेड से गला काटकर हत्या करने वाले दरिंदे को कोर्ट ने बुधवार को मृत्युदंड की सजा सुनाई। एडीजे/फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज अशोक कुमार ने महज तीन साल में फैसला दिया है। इसके साथ ही साक्ष्य छिपाने में सहयोग करने वाले दोस्त और एक अन्य दोस्त की मां को भी सात साल की सजा दी गई है।

कानपुर देहात साढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 19 वर्षीय युवती टीईटी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। वह जहानाबाद में एक कोचिंग में पढ़ाई कर रही थी। 30 मई 2022 को कोचिंग के बाद उसका शव जहानाबाद में खैराबाद के जंगल से मिला था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर ब्लेड के 24 घाव मिले थे। तब गला कटने से मौत की बात सामने आई थी। काफी बवाल व हंगामे के बाद पुलिस ने पिता की तहरीर पर अजय व उसके अन्य साथियों के खिलाफ छात्रा को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई। कोर्ट ने बुधवार को अजय को फांसी की सजा सुनाई। उसके गांव के दोस्त अवनीश उर्फ छोटू सोनकर व दूसरे दोस्त की मां माया देवी पत्नी चंद्रशेखर कुरील निवासी द्वारिकापुर जट्ठ थाना जहानाबाद को सात साल की कैद व 11-11 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। दोस्त पर कत्ल की घटना छिपाने व महिला को साक्ष्य छिपाने में दोषी पाया गया।

पूरी रात किया गया था हाईवे जाम

फतेहपुर में छात्रा की निर्मम हत्या से लोगों का गुस्सा फूटा था। जहानाबाद स्टेट हाईवे पर 30 मई की रात कई बार जाम लगाया गया था। पुलिस के सामने शांति व्यवस्था बनाए रखना चुनौती साबित हुई थी। प्रशासन ने भी सरकार से रासुका की सिफारिश की थी। घटना की पूरी रात हंगामे के बाद 31 मई को भी प्रदर्शन हुआ था।

छात्रा का शव देखने वाले सिहर गए थे। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर कई दिनों तक हंगामा चला था। विभिन्न दलों के नेताओं ने सीबीआई जांच कराने की मांग की थी। जिला प्रशासन ने भी मामले में रासुका लगाने की शासन तक सिफारिश की थी। हालांकि रासुका की संस्तुति शासन से नहीं हो सकी थी। रासुका की सिफारिश पर तत्कालीन डीएम अपूर्वा दुबे और एसपी राजेश कुमार सिंह के बयान दर्ज हुए थे। तत्कालीन एसपी ने खुलासे में बताया कि छात्रा को अजय पसंद करता था। उसे शक का था कि छात्रा दूसरे से बातचीत करती है। हत्यारोपी भी बोला कि वह छात्रा से बेहद प्रेम करता था। वह दूसरों से बातचीत करती थी। इसी वजह से उसका सिमकार्ड बदल दिया था। वारदात से तीन माह पहले उसने इसी तनाव के चलते डाई पीकर जान देने का प्रयास किया था।

दोस्त की मां के पास एक्सीडेंट होना बताकर छिपाया था सामान

हत्या के बाद अजय द्वारिकापुर गांव में रहने वाले दोस्त के घर पहुंचा। दोस्त के न मिलने पर उसकी मां माया देवी को एक्सीडेंट की झूठी कहानी बताई। खून से सनी जींस, शर्ट, बाइक, छात्रा का मोबाइल, आईडी कार्ड उनके घर में छिपा दिया था। फिर दोस्त के कपड़े पहनकर वहां से निकल गया। उधर, पुलिस ने छोटू उर्फ अवनीश से हत्यारोपी की कॉल डिटेल ट्रेस की है। पूछताछ में सामने आया कि हत्यारोपी हत्या से पहले और बाद में अवनीश के संपर्क में था। अवनीश ने हत्या की बात छिपाई है। इसी वजह से उसे भी पुलिस ने साजिश का आरोपी बनाया है।

मुंह दबाकर ब्लेड से रेत दी गर्दन

अजय ने पुलिस की पूछताछ में कबूला था कि उसने योजना के तहत 30 मई को एक दोस्त की बाइक ली। कोचिंग से छात्रा को बहाने से जंगल ले गया। उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। उसने छात्रा का पीछे से मुंह दबाकर ब्लेड से गला काट दिया। उसके बाद चाकू गर्दन में घोंप दी। ब्लेड से ताबड़तोड़ वार किए। छात्रा की मौत के बाद मौके से बाइक लेकर भाग निकला। उसके बाद केरल भाग निकला था। वह केरल कुट्टीपुर कासरगुट इलाके में एक रेस्टोरेंट में बावर्ची का काम करता था। वह पहले भी वहां रहा है। उसके दोस्त भी केरल में रहते हैं। दोस्तों ने ही उसे काम दिलाया था। पुलिस आठ जून 2022 को आरोपी को गिरफ्तार कर सकी थी।

सामूहिक दुष्कर्म की धारा हटाई गई

मामले में सामूहिक दुष्कर्म की धारा मुकदमे से हटाई जाएगी। हत्यारोपी के खिलाफ केवल दुष्कर्म, हत्या की चार्जशीट दाखिल की जाएगी। इसके अलावा आरोपियों पर एनएसए की भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू, ब्लेड, बाइक, मृतका का मोबाइल, एक आधार कार्ड, आरोपी का आधार कार्ड, मृतका का कोचिंग व महाविद्यालय का परिचय पत्र, जींस, शर्ट बरामद किया है।

अजय के चेहरे पर नहीं शिकन, बोला खूब बनाओ वीडियो

सजा सुनाए जाने के बाद पुलिस दरिंदे अजय को कोर्ट से जेल लेकर जा रही थी। इस दौरान चेहरे पर शिकन तक नहीं नजर आई। वह मीडिया कर्मियों से बोलता नजर आया कि हां, मेरा खूब वीडियो बना लो। जबकि अन्य दो आरोपी चेहरा छिपाते नजर आए। इस मामले में कोर्ट ने कहा कि ऐसे अपराधी को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। जिससे समाज में ऐसा कदम उठाने वालों में डर हो, ऐसी घटना में फांसी से कम कुछ नहीं है। शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में 24 निशान थे। घटनास्थल से छात्रा का बैग मिला था। उसका मोबाइल गायब था। छात्रा का गांव जिले की सीमा से सटा है।

छात्रा का पिता बोला फैसले से संतुष्ट

छात्रा के पिता ने बताया कि उनकी बेटी की निर्मम हत्या कोर्ट ने हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई है। इस फैसले से बेटी की आत्मा को शांति मिलेगी। उनका परिवार भी खुश हुआ है। बेटी बहुत ही पढ़ने लिखने में होशियार थी। उसमें कुछ करने की चाहत थी, इससे पहले ही सबकुछ बर्बाद हो गया। वह हर तारीख पर आते थे। उनका तारीखों पर आने का समय खत्म हुआ। जल्द से जल्द हत्यारे को फांसी पर लटकना देखना चाहते हैं। बेटी की हत्या 2022 में इसी माह फैसले की तारीख से नौ दिन बाद हुई थी।

सिटी बसों में नि:शुल्क यात्रा सुविधा बहाल न हुई तो 26 जून को होगा बसों का चक्का जाम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने आज केसीटीएसएल के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, पुलिस आयुक्त व जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कर सिटी बसों में नि- शुल्क यात्रा सुविधा बहाल न करने पर 26 जून को सिटी बसों का चक्का जाम करने की चेतावनी दी है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार द्वारा 17 अप्रैल को केसीटीएसएल के प्रबन्ध निदेशक को ज्ञापन देकर सिटी बसों में दिव्यांगजनों नि-शुल्क यात्रा सुविधा बहाल करने की मांग की थी। जिसके सम्बन्ध में प्रबन्ध निदेशक द्वारा 20 अप्रैल को मुख्य संचालन अधिकारी को पत्र भेजकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि जल्द सिटी बसों में दिव्यांगजनों को नि-शुल्क यात्रा सुविधा बहाल न हुई तो सिटी बसों का चक्का जाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिव्यांग सरकार के सभी नियम मानने को तैयार हैं।

कानपुर नगर में दिव्यांगजनों की संख्या डेढ़ लाख से भी ऊपर है। नि-शुल्क यात्रा पास बनाने के लिए काउन्टरों की संख्या कम है। केसीटीएसएल न तो यूंडीआईडी कार्ड के आधार पर नि-शुल्क यात्रा सुविधा प्रदान कर रहा है और न ही पास बनाने के लिए कैम्पों का आयोजन कर रहा है। सी टी एस एल दिव्यांगजनों को नि-शुल्क यात्रा सुविधा नहीं देना चाहता है। के सी टी एस एल हमारी मांगों को पूरा नहीं करता है तो 26 जून को सिटी बसों का चक्का जाम किया जाएगा।

अज्ञात वाहन से टकराई बाइक, तीन युवकों की मौत

हरदोई। अतरौली चौराहा पर एक बाइक अज्ञात वाहन से टकरा गई। हादसे में उन्नाव के तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक शादी में वीडियोग्राफी कर वापस घर जा रहे थे।हरदोई जिले में अतरौली चौराहा पर बाइक सवार तीन युवक अज्ञात वाहन से टकरा गए। हादसे में घटनास्थल पर ही तीनों बाइक सवारो की मौत हो गई। तीनों उन्नाव के निवासी थे और एक शादी में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कर वापस घर जा रहे थे।उन्नाव जनपद के दरियाईखेड़ा निवासी प्रवीण (24) उन्नाव शहर में हिमांशु स्टूडियो के नाम से फोटोग्राफी की दुकान चलाते हैं। उन्नाव जनपद के ही माखी थाना क्षेत्र के कोटरा निवासी अनिल प्रजापति की शादी अतरौली थाना क्षेत्र के गोरी कला निवासी रामेश्वर की बेटी से तय हुई थी।बृहस्पतिवार रात बरात आई थी। बरात में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए प्रवीण अपने साथियों उन्नाव के शिवनगर निवासी नितिन (25) और बुद्धिखेड़ा निवासी वैभव (24) के साथ बाइक से आया था। कार्यक्रम के बाद तीनों वापस लौट रहे थे।आधी रात के बाद लगभग साढ़े तीन बजे तीनों एक ही बाइक से गौरी कला से वापस उन्नाव जाने को निकले थे।कोथावां रोड से अतरौली चौराहा पर पहुंचते ही भटपुर की तरफ से आ रहे अज्ञात वाहन से बाइक टकरा गई। घटना में तीनों फोटोग्राफरों की मौत हो गई। नितिन के पास से 90 हजार रुपये भी मिले हैं।

लाइफ टाइम फ्री क्रेडिट कार्ड का ऑफर देकर सेवानिवृत्त बैंककर्मी से 15.45 लाख ठगे

कानपुर। साइबर ठग ने लाइफ टाइम फ्री क्रेडिट कार्ड का ऑफर देकर नवाबगंज निवासी सेवानिवृत्त बैंककर्मी से 15.45 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने नवाबगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आजादनगर निवासी पीड़ित जितेंद्र पाल सिंह ने बताया कि 17 मई की देर रात उनके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को बैंक ऑफ इंडिया के क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट में कार्यरत कर्मी बताया।

कहा कि बैंक ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए योजना शुरू की है जिसमें उन्हें लाइफ टाइम फ्री क्रेडिट कार्ड दिया जा रहा है। उन्हें सिर्फ भेजे गए लिंक पर क्लिक कर एप डाउनलोड कर जरूरी जानकारी साझा करनी होगी। झांसे में आए जितेंद्र ने एप डाउनलोड कर बैंक से संबंधित सारी जानकारियां भर दी। ऐसा करते ही उनके चार बैंक खातों से कई बार में 15.45 लाख रुपये कट गए। मैसेज आने पर उन्हें ठगी की जानकारी हुई। इसके बाद उन्होंने नवाबगंज थाने में तहरीर दी। इंस्पेक्टर नवाबगंज दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। साइबर सेल की मदद से ठगों की तलाश की जा रही है।

किसी भी तरह के साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल पुलिस से शिकायत करें। स्थानीय थाने से लेकर साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

डेबिट कार्ड नंबर, क्रेडिट कार्ड नंबर, यूपीआई पिन सहित अन्य कोई भी पर्सनल जानकारी किसी को भी न दें। बैंक अपनी ओर से कॉल कर कभी इनकी जानकारी नहीं मांगता है। बैंक अपने ग्राहकों से पर्सनल जानकारी कभी नहीं पूछती है। अपने यूजरनेम, पासवर्ड या अन्य बैंक डिटेल खुद तक ही सीमित रखें।

गंगा में डूबे बालक का नहीं लगा सुराग, नहाते समय डूबे थे छह बच्चे, पांच को सकुशल निकाल लिया था

बीपीएस न्यूज

कानपुर। फर्रुखाबाद जिले में गुरुवार को गंगा में डूबे बालक की दूसरे दिन भी देर शाम तक खोजबीन जारी रही, लेकिन समाचार लिखे जाने तक सुराग नहीं लगा। गोताखोरों के साथ ही स्टेट डिजास्टर रिस्पांस (एसडीआरएफ) टीम खोजबीन में जुटी रही, लेकिन सफलता नहीं मिली।थाना क्षेत्र के गांव जैतपुर निवासी रक्षपाल सिंह का सात वर्षीय पुत्र सत्यम गुरुवार को गांव के ही छोटेलाल पुत्र मोरपाल, जबर सिंह पुत्र नेत्रपाल, रामू पुत्र मुलिकराम, रितिक पुत्र राजीव व योगी के साथ तरबूज खाने गंगा की कटरी में गए थे। तरबूज खाने के दौरान यह लोग गंगा नदी में नहाने लगी।नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने से सभी डूबने लगे। चीख सुनकर आसपास पाहलेज की रखवाली कर रहे ग्रामीणों ने गंगा में कूदकर पांच को सकुशल बाहर निकाल लिया था, लेकिन सत्यम का पता नहीं चला। देर शाम तक उसकी खोज की गई, लेकिन पता नहीं चला।

शुक्रवार को दूसरे दिन एसडीआरएफ टीम के साथ ही गोताखोरों ने फिर गंगा नदी में सत्यम की खोजबीन शुरू की। गोताखोर व टीम के सदस्य गंगा नदी में खोजबीन करते रहे, लेकिन सायं 5:30 बजे तक सत्यम का पता नहीं चल सका। थानाध्यक्ष तरुण सिंह भदौरिया ने बताया कि एसडीआरएफ टीम व गोताखोर बालक की खोजबीन कर रहे हैं।

रोहिंग्या के पकड़े जाने से सक्रिय हुई सुरक्षा एजेंसियां, मो.साहिल और परिजनों से पूछताछ

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में रोहिंग्या मो. साहिल के पकड़े जाने के बाद पुलिस, आईबी, इंटेलीजेंस, मिलिट्री इंटेलीजेंस, एसटीएफ और एटीएस सक्रिय हो गई हैं। शहर में 16 संदिग्ध स्थानों पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों का सत्यापन शुरू किया जा रहा है। पुलिस ने मो. साहिल और उसके भाईयों की कॉल डिटेल निकलवाई।इसमें उनकी सबसे ज्यादा शुक्लागंज और उन्नाव के लोगों से बातचीत होने की जानकारी मिली।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य भी सामने आए हैं। एसपी उन्नाव और सुरक्षा एजेंसियों से इसको साझा किया गया। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि आईबी और लोकल इंटेलीजेंस से जानकारी मिली है। कानपुर कमिश्नरेट के 16 क्षेत्रों में संदिग्ध लोग रह रहे हैं। यह बांग्लादेशी या रोहिंग्या हो सकते हैं।म्यांमार से आकर शुक्लागंज में बीते आठ साल से रह रहे रोहिंग्या के परिवार वालों का कहना है कि वह लोग पूरे परिवार के साथ बांग्लादेश चले जाएंगे। वहां पर उन लोगों के कई रिश्तेदार हैं, लेकिन म्यांमार नहीं जाएंगे। यह कहना मो. साहिल की पत्नी अजीदा, उसकी मां रोहिमा, बहन सहनवारा और देवरानी नूरखाइदा का है। उन्होंने कहा कि म्यांमार में मुसलमान नहीं रहते वहां उनकी जान को खतरा है। वहां वाले उनको मार डाला जाएगा।

डीसीपी पूर्वी के मुताबिक मो. साहिल ने बताया कि सभासद के सत्यापन के बाद उसका आधार कार्ड बना था। पुलिस ने जब सभासद से इस संबंध में पूछताछ की तो उसने किसी प्रकार का प्रमाणपत्र देने से इन्कार कर दिया। जिसके बाद विवेचक ने आधार कार्ड बनाने वाली एजेंसी से जानकारी मांगी है कि आधार बनाने के लिए जिस कागज का इस्तेमाल किया गया वह किसके द्वारा प्रमाणित किया गया था। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाई के साथ शहर आया, शादी कर बसाया घर

मो. साहिल ने पूछताछ में बताया कि वह पिता मो. याहिया, मां रोहिमा बेगम व भाई अनवर, हबीउल्लाह और असमत के साथ शहर आया था।

यहां उसने अजीदा बेगम से निकाह किया था। तीन वर्ष की बेटी हबीबा है। वहीं भाई अनवर ने नूर कैदा से शादी की। वह वर्तमान में गर्भवती है। वर्ष 2021-22 में उसकी बड़ी बहन शेनुआरा बेगम भी पति जुनैद व दो बच्चों के साथ शुक्लागंज आ गई। एक बेटा शुक्लागंज में पैदा हुआ, जबकि छह माह पहले छोटी बहन ताहिरा बेगम पति व बच्चों के साथ वापस बांग्लादेश चली गई।

आधार कार्ड के साथ कौन कौन से दस्तावेज लगाए गए हैं। इसका पूरा रिकार्ड और डाटा लखनऊ और बंगलूरू में रखा जाता है। कमिश्नरेट पुलिस के मुताबिक लखनऊ सेंटर को पत्र भेज दिया गया है। अगर सभासद ने उसे सत्यापन पत्र दिया होगा तो वो भी आधार कार्ड के साथ लगा होगा। डीसीपी पूर्वी ने बताया कि दस्तावेज सही पाए गए तो मदद करने वाले को भी केस में शामिल किया जाएगा।

असम में भी आधार कार्ड बनाने का हुआ था प्रयास

कोतवाली इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद पांडेय के मुताबिक आरोपी जब बांग्लादेश से भारत घुसे थे तो उसके साथ मौजूद एजेंट ने बरपेटा असोम में भी आधार कार्ड बनवाने का प्रयास किया था, लेकिन किसी कारण से वहां पर आधार बन नहीं सका। फिर शुक्लागंज में आधार कार्ड को बनवाया।

बहन के पास मिले वैध कागजात

मो. साहिल की बहन ताहिरा बेगम पति अमीन के साथ वैध कागजात के साथ भारत में रह रही है। उसके पास से विदेशी पंजीकरण का फार्म सी मिला है। यह 2027 तक वैध है। उसके घर में दो और लोग थे। कार्रवाई के बाद से दोनों गायब है।

प्लॉट में मिट्टी पुराई करा रहे मालिक पर फायरिंग, नाले में छिपकर बचाई जान, आरोपी पिता-पुत्रों की तलाश

बीपीएस न्यूज

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र में प्लॉट में मिट्टी पुराई करा रहे मालिक पर रायफल से फायरिंग कर हत्या का प्रयास किया गया। किसी तरह मालिक ने नाले में छिपकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।फतेहपुर जिले के बहुआ कस्बे में हाईवे किनारे स्थित प्लॉट में मिट्टी पुराई करा रहे प्लॉट मालिक पर दबंग पिता-पुत्रों ने गाली गलौज करते हुए लाइसेंसी रायफल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या का प्रयास किया। इसके बाद और धमकी देते हुए फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल पर दो खाली खोखे मिले हैं। पुलिस ने पिता पुत्रों के खिलाफ हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज किया है।

ललौली थाना क्षेत्र के बहुआ कस्बे के विजय नगर मोहल्ले के रहने वाले योगेश तिवारी (61) पुत्र स्व.स्वामीदीन ने गांधीनगर मोहल्ले के बांदा-टांडा हाईवे पर स्थित 35 बाई 70 का प्लॉट गांधी नगर मोहल्ले के रहने वाले धर्मराज मौर्या से उसके बगल में स्थित प्लॉट को 21 लाख रुपये में फरवरी 2025 में खरीदा था। प्लॉट का दाखिल खारिज भी हो गया था।

मालिक योगेश तिवारी गुरुवार दोपहर दो बजे से प्लॉट में मिट्टी पुराई करा रहा था। रात पौने नौ बजे दबंग शिवभोला सिंह निवासी चकपैगम्बर (गांधी नगर बहुआ) अपने पुत्रों शिवम सिंह और प्रकाश सिंह के साथ मौके पर आकर गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर लाइसेंसी रायफल से जान से मारने की नीयत से सात राउंड फायर कर दिए।

इससे योगेश तिवारी ने कुर्सी से गिरकर बगल में स्थित नाले में छिपकर अपनी जान बचाई। वहीं, मौके पर मौजूद योगेश तिवारी का भांजा अमित कुमार और पड़ोसी धर्मराज मौर्या ने घर में घुसकर अपनी जान बचाई। दबंग शिवभोला सिंह और उसके पुत्रों ने ललकारते हुए प्लॉट में मिट्टी पुराई का काम बंद न करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से बाइक में बैठकर फरार हो गए।

पुलिस के हाथ नहीं लगे पिता-पुत्र

मौके पर पहुंची पुलिस ने रायफल के दो खाली खोखे बरामद किया है। सूचना पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जाकर जांच पड़ताल किया है। रात में ही सीओ एचएल सिंह और थाना प्रभारी शमशेर बहादुर सिंह, बहुआ चौकी प्रभारी सुमित तिवारी एसओजी टीम और पुलिस बल ने

आरोपी के बहुआ कस्बे के गांधीनगर स्थित मकान और उसके चक पैगंबरपुर गांव में के मकान समेत कई जगहों पर ताबड़तोड़ दबिश दिया। हालांकि, आरोपी पिता-पुत्र पुलिस के हाथ नहीं लगे। थाना प्रभारी शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि आरोपी पिता-पुत्रों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जल्द गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी।

किसान की निर्मम हत्या का खुलासा, पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

कानपुर। सजेती थाना क्षेत्र में किसान हत्याकांड में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पैसों के लेनदेन को लेकर सूजा गोदकर हत्या की गई थी।कानपुर में घाटमपुर में किसान की निर्मम हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने तीनों हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। बता दें कि सजेती थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में नलकूप पर सो रहे किसान ज्ञानेंद्र संखवार (60) की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई थी। घटना के पीछे जमीन संबधी विवाद बताया जा रहा था। एडीसीपी साउथ महेश कुमार ने बताया कि मृतक किसान के दो बटियार और एक कर्जदार ने हत्या की थी। पैसों के लेनदेन को लेकर सूजा गोदकर हत्या हुई थी। पुलिस ने हत्यारोपियों को जेल भेजा है।

भाजपा सांसद ने प्रधानमंत्री से किया अनुरोध, कहा- कानपुर आने पर शुभम द्विवेदी के परिवार से जरूर मिले

कानपुर। कानपुर संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रमेश अवस्थी ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री से पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात करने का अनुरोध किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 30 मई को कानपुर का दौरा प्रस्तावित है। सांसद अवस्थी ने शनिवार को बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखकर द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात करने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि द्विवेदी के परिवार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया है और कहा है कि इससे द्विवेदी की आत्मा को शांति मिली है।

यह पूछे जाने पर कि 30 मई को मोदी के कानपुर में रहने के दौरान प्रधानमंत्री और द्विवेदी के परिजन के बीच मुलाकात कैसे और कहां होगी, तो अवस्थी ने कहा, 卐यह मुलाकात से एक दिन पहले पता चलेगा।卐 द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 卐हमने कानपुर से लोकसभा सांसद रमेश अवस्थी से प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के लिए पीएमओ से समन्वय करने का अनुरोध किया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 26 लोगों में से एक द्विवेदी (31) व्यवसायी थे और शादी 12 फरवरी को उनकी शादी हुई थी। वह अपनी पत्नी ऐशान्या और रिश्तेदारों के साथ 22 अप्रैल को पहलगाम घूमने गए थे, तभी आतंकवादियों ने निहत्थे पर्यटकों पर गोलियां चला दीं, जिससे उनकी मौत हो गई। द्विवेदी का उनके पैतृक गांव में 24 अप्रैल की सुबह पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

द्विवेदी की मौत के बाद उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्य सरकार के कई मंत्रियों तथा विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना समेत कई नेताओं ने द्विवेदी के परिजन से मिलकर संवेदना प्रकट की थी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 30 अप्रैल को शुभम द्विवेदी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की थी और कहा था कि विपक्ष इस मामले पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा है।

शहर को मिला आधुनिक गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन-सतीश महाना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। 25.5 करोड़ रुपये की लागत से पुर्नविकसित गोविंदपुरी स्टेशन गुरुवार को जनता को समर्पित कर दिया गया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नवनिर्मित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के बीकानेर में आयोजित कार्यक्रम के मंच से गोविंदपुरी समेत 103 रेलवे स्टेशनों का वर्चुअली लोकार्पण किया। इसके बाद कानपुर में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व अन्य जनप्रतिनिधियों ने औपचारिक लोकार्पण किया। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी।

लोकार्पण कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि 2014 से पहले कानपुर के रेलवे स्टेशनों की पहचान गंदगी होती थी। लोग कहते थे कि स्टेशन पर गंदगी नहीं होगी तो फिर कहां होगी। लेकिन, पिछले 10 वर्षों में भारत की पहचान पूरे विश्व में बदली है। अब वहीं रेलवे स्टेशन वर्ल्ड क्लास रूप में विकसित किए जा रहे हैं। गोविंदपुरी स्टेशन भी उसका एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले हम सब रेलवे फाटक में फंस जाते थे। शांतीनगर क्रासिंग पर तो हम लोग खुद धरना देते थे। अब वह पुरानी बात हो गई। सतीश महाना ने कहा कि जल्द ही कानपुर रेलवे स्टेशन भी विदेशों के रेलवे स्टेशन की तरह चमकेगा। आगे कहा कि देश की सेनाओं में पहले भी मजबूत क्षमता थी लेकिन राजनैतिक इच्छाशक्ति न होने से वह एक्शन नहीं ले पाते थे।

अब प्रधानमंत्री ने आतंक के खिलाफ सेनाओं को खुली छूट देकर यह दिखा दिया है कि ये नया भारत है। आतंक के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक नए भारत की पहचान बन चुके हैं। गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान ऑपरेशन सिंदूर छाया रहा। स्टेशन के एंट्री गेट से लेकर पंडाल और पूरे परिसर में ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की वीरता को दर्शाती होर्डिंग लगाई गई थीं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी देशभक्ति की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में बतौर अतिथि सांसद रमेश अवस्थी, देवेंद्र सिंह भोले, राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक सुरेंद्र मैथानी, रसूलाबाद विधायक पूनम संखवार, एमएलसी अरुण पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, भाजपा जिलाध्यक्ष उत्तर अनिल दीक्षित, दक्षिण शिवराम सिंह, पूर्व विधायक अजय कपूर, रघुनंदन भदौरिया, भाजपा पार्षद दल के नेता नवीन पंडित आदि रहे।

असम सरकार के मंत्री ने शुभम द्विवेदी के परिजनों को सौंपी पांच लाख की चेक, कहा- दुख की घड़ी में साथ हैं

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हाथीपुर स्थित शुभम द्विवेदी के घर असम सरकार के कैबिनेट मंत्री रंजीत कुमार दास पहुंचे। परिजनों से भेंट कर शुभम को श्रद्धांजलि दी।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले कानपुर के हाथीपुर गांव के रहने वाले शुभम द्विवेदी के घर पहुंचे असम सरकार के कैबिनेट मंत्री ने मुख्यमंत्री का शोक संदेश देते हुए पांच लाख की आर्थिक मदद की तथा दुख की घड़ी में सदैव साथ खड़े रहने की बात कही।असम सरकार के प्रधान सचिव दिवाकर नाथ मिश्रा और पत्नी अंजू रानी वैश्य के साथ दिवंगत शुभम द्विवेदी के घर पहुंचे। पंचायत और ग्रामीण विकास / पर्यटन मंत्री रंजीत कुमार दास ने शुभम द्विवेदी के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पीड़ित परिवार से कहा कि असम सरकार सदैव आपके साथ है। इस दुख की घड़ी में असम की सरकार एवं असम के लोग आपके परिवार की एक छोटी सी मदद करना चाह रहे हैं। सरकार की तरफ से पांच लाख रुपए का चेक शुभम की पत्नी ऐशान्या को दिया।इस दौरान शुभम के पिता संजय द्विवेदी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि असम सरकार हमारे दुख में साथ खड़ी हुई हम परिवार सहित आभारी हैं। मीडिया से बात करते हुए कैबिनेट मंत्री रंजीत कुमार दास ने कहा कि असम सरकार द्वारा पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए सभी 27 लोगों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए आर्थिक मदद प्रदान की गई है इस दुख की घड़ी में असम सरकार सभी 27 परिवारों के साथ है।शुभम द्विवेदी के चाचा ज्योतिषाचार्य पंडित मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि 30 मई को प्रधानमंत्री कानपुर आ रहे हैं। उसमें हमारे परिवार को प्रधानमंत्री जी से काफी उम्मीदें हैं। हमें यकीन है कि प्रधानमंत्री हमारे परिवार से मिलेंगे और जो हमारी मांगे हैं उनपर विचार करेंगे।

दो डॉक्टरों ने किया था विनीत का हेयर ट्रांसप्लांट, डॉ. अनुष्का ने दाखिल की अग्रिम जमानत अर्जी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में विनीत केशवपुरम स्थित इंपायर क्लीनिक में दांतों का इलाज कराने आए थे। उन्होंने बालों के संबंध में सलाह ली थी, लेकिन हेयर ट्रांसप्लांटेशन से उनका कोई लेनादेना नहीं है। यह ट्रांसप्लांट डॉ. सिंह व सर्जन मनीष कुमार से बर्रा स्थित साईं चैरिटेबल अस्पताल में कराया गया था। अस्पतालों में लापरवाही हुई होगी, लेकिन उन्हें गलत तरीके से फंसाया जा रहा है।

यह दावा डॉ. अनुष्का ने जिला जज की अदालत में दाखिल अपनी अग्रिम जमानत अर्जी में किया है। उनके मामले की सुनवाई शुक्रवार को होनी थी, लेकिन पुलिस रिपोर्ट न आने के कारण सुनवाई अब दो जून को होगी। डॉ.अनुष्का ने यह भी तर्क दिया कि डॉक्टरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के मामलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया है।

सीएमओ द्वारा गठित मेडिकल बोर्ड से कोई राय नहीं ली गई। अर्जी में डॉ.अनुष्का का कहना है कि उन्होंने रोहतक के पं.भगत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से 2015 में दंतशल्य चिकित्सक के रूप में डॉक्टर की उपाधि ली है। अपने क्लीनिक में दांतों का इलाज करती हैं। उन्होंने मास्टर क्लास इन फेशियल एस्थेटिक्स और मास्टर क्लास इन ट्रिचोलॉजी का प्रमाण पत्र भी लिया है।इसलिए दांतों के इलाज के साथ ही बालों की बीमारी से बचाव के बारे में भी राय देती है। वह इलाज से मिलने वाली रकम से परिवारवालों का पालन-पोषण करती हैं। जेल जाने से उनका परिवार भूखों मर जाएगा। डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र के संबंध में पुलिस की रिपोर्ट नहीं आ सकी थी जिस कारण समय की मांग की गई। कोर्ट ने इसे स्वीकार करते हुए दो जून तक का समय दिया है।इंजीनियर विनीत की पत्नी जया ने रावतपुर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा था कि पनकी स्थित ऑफीसर्स कालोनी निवासी सहायक अभियंता विनीत कुमार दुबे 13 मार्च को डॉ.अनुष्का के पास हेयर ट्रांसप्लांट के लिए गए। वह दो बच्चों के साथ होली मनाने गोंडा स्थित मायके गई थीं। 14 मार्च को फोन करके विनीत के चेहरे पर सूजन की जानकारी दी गई।उन्होंने कई बार डॉक्टर को फोन मिलाया, लेकिन फोन नहीं उठा। रात में दोबारा फोन मिलाया तो डॉ. अनुष्का ने बिना टेस्ट के हेयर ट्रांसप्लांट करने की बात स्वीकारी। जया ने चाचा को फोन किया और उन्होंने अनुराग हास्पिटल पहुंचकर विनीत को वहां से रीजेंसी में भर्ती कराया, लेकिन 15 मार्च को पति की मौत हो गई। डॉ.अनुष्का को कॉल की तो उनका फोन बंद मिला, क्लीनिक भी बंद करके फरार हो गई थीं।

बसंत नगर में टेंट के गोदाम में लगी आग, दमकल विभाग की तत्परता से बड़ी दुर्घटना टली

कानपुर।थाना जूही क्षेत्र के अंतर्गत बसंत नगर स्थित एक टेंट के गोदाम में शुक्रवार को अचानक आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर स्टेशन किदवई नगर से दमकल की यूनिट तुरंत मौके पर पहुंची और अल्प समय में ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।स्थानीय लोगों के अनुसार, आग सुबह करीब 11 बजे के आसपास लगी थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तत्परता और कुशलता से कार्यवाही करते हुए आग को फैलने से रोक दिया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।दमकल अधिकारियों ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। हालांकि, गोदाम में रखा कुछ सामान जलकर खाक हो गया है।

स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने दमकल विभाग की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की है, जिससे एक बड़ी दुर्घटना होने से टल गई।

घर में साफ-सफाई के दौरान फर्राटा पंखे में चिपककर महिला की मौत

कानपुर। पनकी थानाक्षेत्र में शुक्रवार को घर में साफ-सफाई के दौरान फर्राटे में उतरे करंट में चिपककर महिला की मौत हो गई। पड़ोसियों ने हादसे की जानकारी पति और पुलिस को दी। महिला को अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पनकी के पतरसा निवासी राजनारायण पीपीएन मार्केट की एक कपड़े की दुकान और बेटा अर्पित एक फैक्टरी में काम करता है। पत्नी ललिता देवी (49) गृहिणी थीं। राजनारायण ने बताया कि शुक्रवार सुबह वह और बेटा ड्यूटी पर गए थे। पत्नी घर में साफ-सफाई में जुट गई। इसी दौरान वहां चल रहे फर्राटा पंखे में हाथ पड़ गया जिससे वह करंट में चिपक गईं। करंट की चपेट में आने से शोर मचने पर पड़ोसी दौड़े। उन लोगों ने पति और पुलिस को फोन पर घटना की जानकारी दी। कुछ ही देर में पहुंची पुलिस ने ललिता को अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पीड़ित ने लगाया विधायक प्रतिनिधि पर रंगदारी का आरोप

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जहां एक ओर सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ द्वारा तरह तरह के अभियान चलाकर आम जनमानस को सुरक्षा का एहसास दिलाया जा रहा है वहीं दूसरी ओर प्रदेश में एक अनोखा मामला सामने आया है जहां पीड़ित ने कानपुर नगर कैंट विधानसभा विधायक हसन रूमी के नजदीकी अयान पर रंगदारी का आरोप लगाते हुए कहा कि मैं मोहम्मद हबीब पुत्र रफ़ीक निवासी 6/3 बेगमपुरवा थाना बाबू पुरवा से मेरी शादी 12 नवंबर 2024 को चार रॉड निवासी अहमद पुत्री काल्पनिक नाम शिफा बनो से प्रेम प्रशंग के चलते आपसी सहमति से विवाह हुआ था कुछ ही दिनों बाद से ही मेरी पत्नी ने घरवालों के बहकावे में आकर अपने मायके चली गई मायके वालों और कैंट विधायक के नजदीकी अयान के कहने पर मेरे ऊपर झूठा पास्को का मुक़दमा मेरी ही पत्नी से दर्ज करवा दिया और मुझसे एक लाख रुपए की मांग करने लगे और कहा कि अगर रुपए नहीं मिलते तो तुम्हें जाने कितनो झूठे मुकदमों में फंसवा दूंगा तब पीड़ित के अनुसार पीड़ित ने बीस हजार रुपए अयान को दे दिए मैं बहुत ही ग़रीब हु तांगा चला कर अपना और अपने परिवार का पेट पलता हूँ और विधायक हसन रूमी की तरह रसूख दार नहीं हु क्षेत्रीय पुलिस के पास गया था परन्तु पुलिस विधायक के दबाव में कोई कार्यवाही नहीं करी गई जिसके चलते आज पीड़ित पुलिस कमिश्नर कार्यालय में पेश होक प्रार्थना पत्र के माध्यम से न्याय की गुहार लगाई है साथ ही एक सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें एक व्यक्ति व उसका परिवार हाथ जोड़ कर मोदी जी व सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाता दिखाई दे रहा है साथ ही विधायक के गुर्गे पर रंगदारी मांगने का आरोप लगाते हुए दिख रहा है।इस प्रकरण में जब हमारे संवाददाता द्वार विधायक हसन रूमी से संपर्क किया गया तो फ़ोन उन्होंने कहा कि हमारे कार्यालय में पीड़िता और उसकी बेटी आई थी पीड़िता ने बताया कि मेरे पति ने मेरी मां और मुझे बहुत मारा है उस वक्त पीड़िता की मां के शरीर पर गंभीर चोटे थी जिसपर हमारे प्रतिनिधि ने संबंधित थाने में फोन के माध्यम से निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही करने के लिए कहा था जिसपर कार्यवाही हुई है?

उधारी के पैसे मांगना पड़ा भारी, आरोपी महिला ने धमकाया- कपड़े फाड़कर छेड़छाड़ में फंसा दूंगी

कानपुर। पीड़ित अजय का आरोप है कि 16 अप्रैल की दोपहर में वह कृष्ण कुमार के परेड पेट्रोल पंप स्थित ऑफिस में गए। यहां उन्होंने अपने पैसे मांगे, तो बेटी से पैसे मांगने की बात कहकर टरका दिया। इतना ही नहीं, तनुश्री ने बाद में फोन उठाना भी बंद कर दिया।कानपुर में चकेरी थानाक्षेत्र में उधारी पैसे मांगना एक युवक को भारी पड़ गया। पीड़ित के पैसे मांगने पर आरोपी महिला ने छेड़छाड़ व अश्लीलता के आरोप में केस में फंसाने की धमकी दी। विरोध करने पर महिला ने अपने पिता के साथ मिलकर मारपीट की। घटना के बाद पीड़ित युवक ने चकेरी थाने में तहरीर देकर आरोपी महिला और उसके पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

जगईपुरवा के रहने वाले अजय कुमार ने बताया कि ग्वालटोली थानाक्षेत्र के सिविल लाइंस की रहने वाली तनुश्री जैन उनके साथ काम करती है। बीते 25 दिसंबर को तनुश्री ने समस्या बताकर एक लाख रुपये की मांग की। साथ ही, कहा कि वह एक माह में पैसे लौटा देगी। विश्वास करके उन्होंने ऑनलाइन पेटीएम के माध्यम से दो बार में 50-50 हजार रुपये दे दिए।एक माह बीतने के बाद पैसे मांगने पर महिला टालमटोल करने लगी। बीते 16 अप्रैल को पीड़ित अजय ने जब एक बार फिर पैसे मांगे। तब तनुश्री और उसके पिता कृष्ण कुमार ने पैसा भूल जाने और तगादा न करने की धमकी दी। विरोध करने पर हाथ-पैर तुड़वाने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित अजय 11 मई को अपनी पत्नी रीना को लेकर तनुश्री के घर गया और अपने उधार दिए पैसे एक बार फिर मांगे।

यह सुनते ही तनुश्री गाली-गलौज करने लगी। इसी दौरान उसके पिता कृष्ण कुमार भी आ गए और पिटाई करने के साथ कहा कि पैसे भूल जाओ। इस दौरान तनुश्री ने कहा कि अपने कपड़े फाड़कर तुम्हें छेड़छाड़ व अश्लीलता के आरोप में केस में फंसाने की धमकी दी। फिर जान से मारने की धमकी देकर घर से भगा दिया। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।पीड़ित अजय का आरोप है कि 16 अप्रैल की दोपहर में वह कृष्ण कुमार के परेड पेट्रोल पंप स्थित ऑफिस में गए। यहां उन्होंने अपने पैसे मांगे, तो बेटी से पैसे मांगने की बात कहकर टरका दिया। इतना ही नहीं, तनुश्री ने बाद में फोन उठाना भी बंद कर दिया।

नामांतरण शुल्क घटा तो 4.55 लाख लोगों को राहत, नगर निगम सदन की बैठक 28 को, शामिल होंगे कई प्रस्ताव

कानपुर। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि शासन ने सभी नगर निगमों, नगर पंचायतों और नगर पालिका परिषदों को स्थानीय सदन में इस प्रारूप को रखने का आदेश दिया है। इसे सदन में रखा जाएगा। सदन के फैसले से शासन को अवगत कराया जाएगा। कानपुर नगर निगम सदन की बैठक 28 मई को बुलाई गई है। इसमें नामांतरण शुल्क कम करने के लिए शासन की तरफ से तैयार की गई उप विधि का प्रारूप रखा जाएगा। सदन की मुहर लगने के बाद शासन इस संबंध में उपविधि लागू करेगा। बैठक के एजेंडे में कई अन्य प्रस्ताव शामिल किए जाएंगे।नगर निगम के सभी विभागों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। स्थानीय नगर निगम आवासीय या व्यावसायिक भवन का नामांतरण करते समय उसकी कीमत का एक प्रतिशत नामांतरण शुल्क लेता है। इतना ज्यादा नामांतरण शुल्क प्रदेश के किसी अन्य नगर निगम में नहीं लिया जाता।

शासन ने नौ मई को सभी नगर निगमों, नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में एक समान नामांतरण शुल्क लागू करने के लिए उप विधि का प्रारूप जारी किया। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि शासन ने सभी नगर निगमों, नगर पंचायतों और नगर पालिका परिषदों को स्थानीय सदन में इस प्रारूप को रखने का आदेश दिया है।इसे सदन में रखा जाएगा। सदन के फैसले से शासन को अवगत कराया जाएगा। शासन ने नगर निगमों, नगर पालिका परिषदों, नगर पंचायतों से भी आपत्तियां और सुझाव भी मांगे हैं। शासन स्तर पर गठित कमेटी इन पर विचार-विमर्श करेगी।इसके बाद नामांतरण शुल्क के लिए उपविधि बनेगी, जो पूरे प्रदेश में लागू होगी।

जमीन के बंटवारे को लेकर भाइयों में खूनी संघर्ष, भाई व भाभी को फावड़े व लाठियों से पीटा

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र में जमीन के बंटवारे को लेकर भाइयों में खूनी संघर्ष हो गया। घटना में दबंगों ने भाई व भाभी को फावड़े और लाठियों से पीट दिया। पीड़ित ने स्थानीय चौकी, थाने व एसीपी कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिया है।

कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत डोमनपुर का मजरा कपूर फॉर्म के रहने वाले एक किसान परिवार का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ित राम प्रसाद पुत्र सदासुख ने बताया कि 12 मई की सुबह घर व जमीन के बंटवारे को लेकर भाई संतोष ,छोटू , सुखदेई व ज्योति और आंचल द्वारा मुझे व मेरी पत्नी नीलम को भद्दी-भद्दी गालियां देने लगे।इसका विरोध किया, तो सभी ने मिलकर लाठियों से पीटा है। जाते वक्त जान से मारने की नीयत से फावड़ा उठाकर दौड़ा लिया गया। किसी तरह भाग कर मैंने अपनी जान बचाई है। पीड़ित राम प्रसाद ने बताया कि वह स्थानीय चौकी गया था, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद वह थाने गया और वहां से भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।इस पर 17 मई को एसीपी कार्यालय में जाकर न्याय की गुहार लगाई थी। यहां से मुकदमा पंजीकृत करने का आश्वासन मिला था। 11 दिन बीतने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। कई दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक दबंगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित ने बताया यदि कार्रवाई नहीं होती, तो वह उच्चाधिकारियों की चौखट पर न्याय की गुहार लगाएगा।

पड़ोसी युवक पर छात्रा ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप, पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज

कानपुर ।बिधनू थाना क्षेत्र में एक छात्रा ने पड़ोसी युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस ने पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।कानपुर में बिधनू थाना क्षेत्र के एक गांव में हाईस्कूल की नाबालिग छात्रा ने पड़ोसी युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पिता के मुताबिक उसकी 15 वर्षीय बेटी रमईपुर स्थित विद्यालय में हाइस्कूल की छात्रा है। गांव का ही पड़ोसी युवक बेटी से स्कूल आते जाते समय आए दिन छेड़छाड़ करता था।बीते सोमवार को स्कूल से वापस आते समय युवक ने अश्लील हरकतें करते हुए छेड़छाड़ शुरू कर दी।विरोध पर गाली गलौज करते हुए मारपीट का प्रयास किया। घर पहुंचने पर छात्रा ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इस पर छात्रा के साथ थाने पहुंचकर पिता ने युवक के खिलाफ तहरीर दी।बिधनू इंस्पेक्टर जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

रूह कंपा देगी घटना, जिंदा जले आठ बच्चों समेत 17 लोग झुलसे, गुलज़ार हाउस इमारत में बस बची मासूमों की हड्डियां

हैदराबाद के प्रतिष्ठित चारमीनार के पास 'गुलज़ार हाउस' इमारत में रविवार सुबह संदिग्ध शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई, जिसमें एक ही परिवार के 17 सदस्यों की मौत हो गई, जिसमें आठ बच्चे भी शामिल थे। माना जा रहा था कि यह एक खुशनुमा गर्मी की छुट्टी मनाने का आयोजन था, लेकिन कुछ ही मिनटों में इमारत में ज़हरीला धुआँ फैल गया और यह अकल्पनीय त्रासदी में बदल गया।

हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग सगे संबंधी थे। पुलिस ने बताया कि आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "अस्पताल ले जाए गए सभी 17 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।" प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद में आग लगने की घटना में जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये दिये जाने की घोषणा की।

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इस इमारत से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता एक संकरी सीढ़ी थी, लेकिन लोग उस रास्ते से तेजी से बाहर नहीं निकल सके। पुलिस ने बताया कि इमारत के भूतल पर आभूषण की दुकानें थीं और ऊपरी मंजिल पर एक फ्लैट में लोग रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि धुआं फैलने से लोगों का दम घुटने लगा।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संवाददाताओं को बताया कि यह परिवार वहां 125 वर्षों से रह रहा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि वे पीढ़ियों से वहां रह रहे थे। कहा जाता है कि पीड़ित परिवार शहर की सबसे पुरानी आभूषण दुकानों में से एक का संचालन कर रहा था।

ओवैसी ने कहा, "अब परिवार के केवल दो सदस्य बचे हैं। मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मुझे अग्निशमन सेवा महानिदेशक ने बताया कि ज्यादातर मौतें दम घुटने और धुएं के कारण हुईं‍ रिपोर्ट आने दीजिए, यह बहुत दर्दनाक है।" हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी वी आनंद ने बताया कि गुलजार हाउस और आसपास के इलाकों की अधिकतर इमारतें 100 से 200 साल पुरानी हैं। तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा के महानिदेशक वाई नागी रेड्डी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि आग सुबह छह से सवा छह बजे के बीच देखी गई। रेड्डी ने बताया कि सुबह छह बजकर 16 मिनट पर अग्निशमन विभाग को सूचना मिली और दमकल गाड़ी जल्द ही वहां पहुंच गई। उन्होंने बताया कि भूतल पर दुकानें थीं, जबकि इमारत के प्रथम और द्वितीय तल पर आवासीय परिसर था। रेड्डी ने कहा, 卐प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉपिंग क्षेत्र में बिजली की मुख्य आपूर्ति में शॉर्ट सर्किट होना प्रतीत होता है।"

उन्होंने कहा कि आग लगने के समय इमारत में कुल 21 लोग थे, जिनमें से अग्निशमन विभाग द्वारा 17 को अचेत अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि इमारत से बाहर निकलने का सिर्फ एक ही रास्ता था जो एक सीढ़ी थी और ये काफी संकरी थी, इसी कारण वहां मौजूद लोग सुरक्षित बाहर नहीं निकल पाए। रेड्डी ने कहा कि बचाव अभियान के दौरान एक अग्निशमन अधिकारी भी घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तेलंगाना अग्निशमन विभाग ने एक बयान में बताया कि आग भूतल पर लगी और ऊपरी मंजिलों तक फैल गई।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "तेलंगाना के हैदराबाद में आग लगने की घटना में लोगों की मौत होने से बहुत दुखी हूं। प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।"

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर शोक व्यक्त किया और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि इमारत में फंसे लोगों को बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, रेड्डी ने गुलजार हाउस में हुई भीषण आग दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निशमन विभाग की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण बड़ी जनहानि टल गई। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लगभग चार लोगों की जान बचाने में सफल रहे।उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने संवाददाताओं को बताया कि राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। परिवहन एवं हैदराबाद जिले के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घटनास्थल का दौरा किया और संवाददाताओं को बताया था कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। उन्होंने बताया कि इमारत में एक-दूसरे से संबंधित चार परिवार रह रहे थे और उनमें से कई अपनी छुट्टियां बिताने आए थे। गुलजार हाउस इलाके में चूड़ियों का कारोबार करने वाले और आग की घटना के प्रत्यक्षदर्शी जाहिद ने संवाददाताओं को बताया कि सुबह करीब 6ः10 बजे जब वह अपने दोस्तों के साथ वहां से गुजर रहे थे, तो एक महिला ने उन्हें बताया कि इमारत में आग लग गई है और अंदर परिवार के सदस्य और बच्चे मौजूद थे। उन्होंने कहा, "चूंकि इमारत का मुख्य द्वार आग की चपेट में था, इसलिए हमने शटर और दीवार तोड़ दी और अंदर घुस गए। आग की लपटें तेज होने के बीच हम पहली मंजिल पर गए। हमने एक कमरे में सात लोगों और दूसरे कमरे में छह लोगों को पाया। आग के कारण हम उन्हें बचा नहीं पाए। अगर हम उन्हें बचा लेते तो अच्छा होता।" जाहिद ने बताया कि उन्होंने देखा की महिला अपने बच्चे को गले लगाए हुए है जबकि दोनों की मौत हो चुकी है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बताया गया है कि दमकल गाड़िया मौके पर देरी से पहुंचीं। अग्निशमन सेवा के महानिदेशक नागी रेड्डी ने इस आरोप को खारिज कर दिया।

मदरसों में पढ़ाया जाएगा ऑपरेशन सिंदूर, मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी का ऐलान

उत्तराखंड के सभी मदरसों में ऑपरेशन सिंदूर पढ़ाया जाएगा। इस बात की जानकारी देते हुए उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और हम ऑपरेशन सिंदूर के लिए रक्षा मंत्री को बधाई देते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमने अपने विचार व्यक्त किए कि हम पीएम मोदी के साथ हैं। उसी से प्रेरणा लेते हुए हमने एक नई शुरुआत करने का विचार किया और हम मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पढ़ाएंगे।

मुफ्ती शमून कासमी ने कहा कि पाकिस्तान ने हमारे निर्दोष नागरिकों को मारा। हम दो राष्ट्र सिद्धांत में विश्वास करने वाले नहीं हैं। हम हिंदू और मुसलमान में कोई अंतर नहीं करते। हम इसे पाठ्यक्रम में शामिल कर रहे हैं क्योंकि देश सर्वोपरि है। हम इसकी शुरुआत 2025 से करेंगे। दूसरी ओर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को एक संसदीय समिति को बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष हमेशा पारंपरिक दायरे में रहा तथा पड़ोसी देश की ओर से परमाणु (खतरे) का कोई संकेत नहीं दिखा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि मिसरी ने सरकार के इस रुख को दोहराया कि सैन्य कार्रवाई रोकने पर द्विपक्षीय स्तर पर सहमति बनी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संघर्ष को रोकने में अपने प्रशासन की भूमिका होने का दावा किया था।हम दो राष्ट्र सिद्धांत में विश्वास करने वाले नहीं हैं। हम हिंदू और मुसलमान में कोई अंतर नहीं करते। हम इसे पाठ्यक्रम में शामिल कर रहे हैं क्योंकि देश सर्वोपरि है। हम इसकी शुरुआत 2025 से करेंगे। दूसरी ओर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को एक संसदीय समिति को बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष हमेशा पारंपरिक दायरे में रहा तथा पड़ोसी देश की ओर से परमाणु (खतरे) का कोई संकेत नहीं दिखा। समिति की बैठक में कुछ विपक्षी सदस्यों ने ट्रंप के इस दावे को लेकर भी सवाल उठाया। विदेश मंत्रालय ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों की स्थायी समिति के समक्ष एक प्रस्तुति में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले की प्रारंभिक जांच में आतंकवादियों के पाकिस्तान में बैठे उनके आकाओं के साथ 'संपर्क सूत्र' का पता चला है। मंत्रालय ने कहा कि आतंकवाद के पनाहगाह के रूप में पाकिस्तान का 'ट्रैक रिकॉर्ड' अच्छी तरह से स्थापित है, जो ठोस तथ्यों और सबूतों पर आधारित है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान अपनी धरती पर कुछ व्यक्तियों की हत्याओं के लिए भारत को दोषी ठहराता है, जबकि उसके आरोपों में कोई तथ्य या सबूत नहीं है।

मेरी शादी पाकिस्तान में करा दीजिए, यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की खुफिया चैट वायरल

हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा, जिस पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप है, ने कथित तौर पर एक पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी से बातचीत की थी और उनसे उसकी शादी तय करने के लिए कहा था। 'ट्रैवल विद जो' नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाली मल्होत्रा को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था, जब पता चला कि वह एक पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी के संपर्क में थी और कथित तौर पर उसके साथ सूचनाएं साझा करती थी। बाद में उसने एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश नामक अधिकारी के संपर्क में होने की बात कबूल की। एनडीटीवी के अनुसार, व्हाट्सएप पर बातचीत में उसने कथित तौर पर पाकिस्तानी अधिकारी से कहा था कि मेरी शादी पाकिस्तान में करवा दो।

जांच के दौरान पुलिस को मल्होत्रा के चार बैंक खातों के बारे में भी जानकारी मिली, जिसमें दुबई से लेन-देन किए गए थे। पुलिस ने कहा कि यह रकम उनकी अनुमानित आय से ज़्यादा थी और वे डेटा का विश्लेषण कर रहे थे। दानिश को भारत द्वारा अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया था। उसने मल्होत्रा को अली अहवान से मिलवाया, जिसने उसके रहने की व्यवस्था की और पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों शाकिर और राणा शाहबाज़ के साथ आगे की बैठकों की व्यवस्था की। वह कथित तौर पर उसे एक संपत्ति के रूप में विकसित कर रहा था।

ज्योति मल्होत्रा, जिनके इंस्टाग्राम पर एक लाख से ज़्यादा फ़ॉलोअर्स हैं, दो बार पाकिस्तान जा चुकी हैं, जिस दौरान उनका संपर्क दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी से हुआ था। ट्रैवल यूट्यूबर से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारियों ने पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स (पीआईओ) से उनके संदिग्ध संबंधों के बारे में पूछताछ की।

ऑपरेशन सिंदूर का विकराल रूप अभी बाकी है, पाकिस्तान को दे डाली मेजर ने चेतावनी

पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए 15 इन्फैंट्री डिवीजन के जीओसी (जनरल ऑफिसर कमांडिंग) मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने पड़ोसी देश से किसी भी तरह के दुस्साहस में शामिल होने से बचने को कहा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को केवल रोका गया है और अभी पूरा नहीं हुआ है। मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने कहा कि भारतीय सेना ने केवल आतंकवाद और आतंकी ठिकानों को बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के निशाना बनाया और सटीक तरीके से नाश कियाः भारत में किसी भी उपयुक्त और उचित टार्गेट के अभाव से पाकिस्तानी सेना ने जानकर भारतीय सैन्य ठिकानों और सिविल इलाकों को निशाना बनायाः पाकिस्तानी आर्मी के लिए सभी टार्गेट जायज़ हैं मगर भारतीय सेना उनके नापाक मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देगी।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान द्वारा प्रक्षेपित मिसाइलों का मलबा दिखाया, जिन्हें भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा रोककर मार गिराया गया। मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने कहा कि यदि पाकिस्तान ने फिर से आतंकवादियों का सहारा लिया तो उसका अवश्य ही नाश होगा। याद रहे कि ऑपरेशन सिंदूर केवल स्थगित किया गया है, खत्म नहीं हुआ है। उसका विकराल रूप अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि सारा विश्व जानता है कि पाकिस्तानी सेना ने सुनियोजित तरीके से 22 अप्रैल को पहलगाम में अपने आतंकियों द्वारा देश और विदेश के निहत्थे पर्यटकों पर हमला करवाया थाः इसके पश्चात पूरे देश के आक्रोश ने भारत के प्रबल नेतृत्व के अधीन ऑपरेशन सिंदूर का रूप लियाः हमने केवल आतंकी ठिकानों का नाश किया था और इसके अतिरिक्त किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गयाः 7

मई की रात को हमें पुख्ता जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान किसी उचित और सटीक टार्गेट न होने के कारण सिविल ठिकानों, खासतौर पर धार्मिक स्थलों को निशाना बनाएगा। इसमें अमृतसर में स्थित स्वर्ण मंदिर सबसे अहम था। हमें अतिरिक्त जानकारी यह भी मिली कि वे (पाकिस्तान) स्वर्ण मंदिर पर भारी तादाद में ड्रोन और मिसाइल से हमला करेंगे इसलिए हमने तुरंत आधुनिक अतिरिक्त एवं उपयुक्त एयर डिफेंस उपलब्ध कराया थाः हमने स्वर्ण मंदिर पर एक आंच भी नहीं आने दी।

भारतीय सेना ने एक डेमो दिखाया कि कैसे आकाश मिसाइल प्रणाली, रुः70 एयर डिफेंस गन सहित भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर और पंजाब के शहरों को पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों से बचाया। भारतीय सेना के एक जवान ने कहा कि इस वक्त हम ऑपरेशन सिंदूर

का हिस्सा हैंः 8-9 मई की रात को दुश्मन ने अचानक हम पर फायरिंग की और घुसपैठ की कोशिश की। हमने दुश्मन पर अचूक फायरिंग की और उसकी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। हमारी फायरिंग का नतीजा ये हुआ कि सुबह तक दुश्मन अपने घुटनों पर आ गए और अपनी पोस्ट पर सफेद झंडा लहरा दिया। हम अपने देशवासियों को यह भरोसा दिलाते हैं कि जब तक देश की सीमाओं पर भारतीय सेना तैनात है, तब तक कोई भी इस देश की तरफ आंख उठाकर नहीं देख सकता।

पाकिस्तान की आदत है वह आसानी से नहीं सुधरता, राजनाथ ने पाकिस्तान को फिर चेताया

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ पहुंचे। लखनऊ एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पार्टी समर्थकों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के गोमती नगर में डॉ. केएनएस मेमोरियल हॉस्पिटल (मेयो हॉस्पिटल) की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत किया। इस कार्यक्रम को राजनाथ सिंह ने संबोधित भी किया।राजनाथ ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा मंत्रालय में काम करते हैं। हम सीमा पार के आतंकवादियों का इलाज करते हैं। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया और पाकिस्तान में स्थित आतंकी शिविरों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया तथा बड़ी संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया। भारतीय सशस्त्र बलों ने कुशल डॉक्टरों और सर्जनों की तरह काम किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह एक कुशल सर्जन बीमारी की जड़ में अपने औजारों का इस्तेमाल करता है, उसी तरह भारतीय सशस्त्र बलों ने भी आतंकवाद की जड़ में अपने औजारों का इस्तेमाल सटीकता से किया। लेकिन पाकिस्तान की आदत है कि वह आसानी से नहीं सुधरता।

पाकिस्तान पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि उसने भारत पर हमला करने और नागरिकों को भी निशाना बनाने की कोशिशें शुरू कर दीं। मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों को निशाना बनाया गया। भारतीय सशस्त्र बलों की जवाबी कार्रवाई ने पाकिस्तानी सेना को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। जब हम जवाबी कार्रवाई कर रहे थे, तो इस बात का पूरा ध्यान रखा गया कि केवल पाकिस्तान में स्थित आतंकी शिविरों को ही निशाना बनाया जाए और नागरिक क्षेत्रों पर कोई हमला न किया जाए। एक कुशल सर्जन की तरह भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन किया। मैं उन्हें इसके लिए बधाई देता हूं।उन्होंने कहा कि यह आप सबने भी महसूस किया होगा होगा कि सैनिक और डॉक्टर दोनों के काम और प्रतिबद्धता में काफ़ी समानताएं हैं। दोनों ही आम नागरिकों की रक्षा करते हैं। एक स्वास्थ्य की रक्षा करता है और दूसरा राष्ट्र की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि इस देश की जनता ने यदि हाल में भारतीय सेनाओं का पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा है तो हमारे डॉक्टर्स और सर्जन्स का साहस और उनकी प्रतिबद्धता को पूरे देश ने कोविड महामारी के दौरान देखा है। सैनिकों की भांति हमारे डॉक्टर्स भी अपनी ड्यूटी, अपने साहस और देश एवं समाज की सेवा के लिए जाने जाते हैं और सम्मान पाते हैं।

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में पप्पू लोहरा समेत दो नामी नक्सलियों को किया ढेर

सुरक्षा बलों ने शनिवार को लातेहार पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत इच्छाबार इलाके में सुबह-सुबह मुठभेड़ के बाद झारखंड जन मुक्ति परिषद (छ्छ्छ्स्क्क) के सुप्रीमो पप्पू लोहरा और उसके दूसरे नंबर के नेता प्रभात गंगू को मार गिराया। छ्रूरू ष्टक्क्ह माओवादियों का प्रतिबंधित गुट है। इसकी पुष्टि करते हुए लातेहार के एसपी कुमार गौरव ने कहा, लोहरा पर 10 लाख रुपये का इनाम था, जबकि गंझू पर 5 लाख रुपये का इनाम था। जवाबी फायरिंग में ये दोनों मारे गए। एक इंसास राइफल बरामद की गई। हथियारों और गोला-बारूद की तलाश जारी है।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि माओवादी समूह जेजेएमपी का प्रमुख लोहरा और उसका एक अन्य सहयोगी लातेहार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक जंगल में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और झारखंड पुलिस के नक्सल रोधी संयुक्त अभियान के दौरान मारे गए।

पलामू के पुलिस उपमहानिरीक्षक वाई एस रमेश ने कहा, "सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो माओवादी मारे गए। पुलिस ने उनके शव बरामद कर लिए हैं।" पुलिस ने बताया कि लोहरा और एक अन्य व्यक्ति का शव बरामद कर लिया गया है। इसने कहा कि लोहरा के अलावा मारे गए दूसरे नक्सली की पहचान अभी नहीं हो पाई है। सूत्रों ने बताया कि समूह का एक और सदस्य घायल हुआ है जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है तथा उसके पास से एक इंसास राइफल बरामद की गई है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि लोहरा और उसके साथियों के जंगल में होने की सूचना मिलने पर लातेहार के पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के नेतृत्व में सुरक्षाकर्मियों की एक टीम ने तलाश अभियान शुरू किया था। पुलिस ने कहा, "माओवादियों ने सुरक्षाकर्मियों को देखते ही गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद सुरक्षाबलों के कर्मियों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

लालू यादव का सख्त फैसला, बेटे तेज प्रताप को पार्टी से निकाला

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, हम ऐसी चीजों को बर्दाश्त नहीं कर सकते। हम बिहार की जनता के लिए काम कर रहे हैं और समर्पित हैं। रही बात मेरे बड़े भाई (तेज प्रताप यादव) की तो राजनीतिक जीवन और निजी जीवन अलग-अलग हैं। उन्हें अपने निजी फैसले लेने का अधिकार है। वह वयस्क हैं और फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं।तेज प्रताप यादव ने शनिवार को अनुष्का यादव नाम की लड़की से अपने रिश्ते का खुलासा किया था, और इस घोषणा के ठीक एक दिन बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) संरक्षक और उनके पिता लालू प्रसाद यादव ने रविवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए उन्हें पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। लालू यादव ने खुद इस निर्णय की घोषणा की। अब इस पूरे घटनाक्रम पर लालू के छोटे बेटे और राजद के प्रमुख नेता तेजस्वी यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिससे यह पारिवारिक और राजनीतिक विवाद और गहराता दिख रहा है।आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, %हम ऐसी चीजों को बर्दाश्त नहीं कर सकते। हम बिहार की जनता के लिए काम कर रहे हैं और समर्पित हैं। रही बात मेरे बड़े भाई की तो राजनीतिक जीवन और निजी जीवन अलग-अलग हैं। उन्हें अपने निजी फैसले लेने का अधिकार है। वह वयस्क हैं और फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं। हमारी पार्टी के प्रमुख ने यह स्पष्ट कर दिया है और जब से उन्होंने ऐसा कहा है, यह उनकी भावना है। हमने ऐसी चीजों पर सवाल नहीं उठाया, वह अपने निजी जीवन में क्या कर रहे हैं, कोई भी कुछ करने से पहले नहीं पूछता। मुझे मीडिया के जरिए ही इस बारे में पता चला है।

तेज प्रताप यादव ने शनिवार को एक लड़की के साथ फेसबुक पर एक तस्वीर साझा कर दावा किया था कि वह पिछले 12 सालों से उसके साथ रिश्ते में हैं, और काफी समय से वह यह बात सार्वजनिक करना चाहते थे। हालांकि, उन्होंने जल्द ही उस पोस्ट को हटा दिया। कुछ देर बाद, उन्होंने उसी कैप्शन के साथ दोबारा तस्वीर साझा की और अपने रिश्ते में होने की बात दोहराई।

छुट्टी पर घर आए सिपाही की मौत, चारपाई पर मिला शव, मुंह और नाक से निकल रहा था खून, तीन हिरासत में

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उन्नाव जिले के चकलवंशी कस्बे में छुट्टी पर घर आए सिपाही का शव गांव से डेढ़ किलोमीटर दूर शुक्रवार सुबह छह बजे चारपाई के नीचे पड़ा मिला। सिपाही की आंख और नाक से खून निकलता देख, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। एएसपी और सीओ ने फॉरेंसिक टीम के साथ जांचकर साक्ष्य जुटाए।

माखी थाना क्षेत्र के पुरवा गांव निवासी वेदप्रकाश पाल उर्फ सोनू (35) पुत्र रामलखन साल 2020 में उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती हुआ था। पहली पोस्टिंग बहराइच जिले के पुलिस लाइन में थी। वह वाहन डाक का काम देखता था। दो दिन की छुट्टी पर 21 मई को गांव आया था।

पिता के मुताबिक, शनिवार को वापसी थी। गुरुवार शाम पांच बजे वेदप्रकाश अपनी भतीजी आरू को गांव के साथी सुरेश और राजकुमार के साथ कार से शुक्लागंज निवासी रिश्तेदार के घर छोड़ने गया था। भतीजी को छोड़ने के बाद तीनों कानपुर में रहने वाले दोस्त के घर गए।

पिता के मुताबिक रात नौ बजे बेटे से फोन पर लौटने की बात हुई, लेकिन वह घर नहीं आया। देर रात डेढ़ बजे फोन मिलाया, तो बंद मिला। उसके दोस्त सुरेश को फोन मिलाया, तो उसने गांव से डेढ़ किलोमीटर दूर पड़ोसी रामनरेश पाल के खाली घर में रुकने की बात बताई।

शुक्रवार सुबह वेदप्रकाश का शव घर के बाहर चारपाई पर लहूलुहान हालत में मिला। सबसे पहले रामनरेश के छोटे भाई सेन ने शव देखा , तो उसने साथ सोए राजकुमार को बताने के साथ मृतक के पिता को जानकारी दी। पिता ने बेटे की हत्या की बात कही।

एएसपी प्रेमचंद्र, सीओ सफीपुर मधुपनाथ मिश्र के साथ माखी, सफीपुर और आसीवन पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस ने मृतक के साथी राजकुमार और पड़ोसी सहित तीन को हिरासत में लिया है। राजकुमार ने बताया कि हम तीनों छत पर सोए थे। रात में शराब भी पी थी।

वेदप्रकाश नीचे कब आया और साथी सुरेश कब चला गया पता नहीं चला। मृतक दो भाइयों में बड़ा था। छोटा भाई पारस आइटीबीपी में है। मौजूदा समय में छत्तीसगढ़ के रायपुर में तैनात है। मां गायत्री, पत्नी रामरानी हैं। नौ माह की बेटी है। एसपी दीपक भूकर ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मृतक के साथी सहित तीन को हिरासत में लेकर पूछताछ चल रही है।

प्रेस क्लब ने कानपुर में प्रस्तावित पत्रकार सम्मेलन, गोष्ठी और सम्मान समारोह के लिए उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को दिया निमंत्रण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर प्रेस क्लब का प्रतिनिधि मंडल सोमवार को लखनऊ में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से मिला और पत्रकार हित पर सार्थक चर्चा की। पत्रकारों के इलाज का इंतज़ाम प्राथमिकता पर कराए जाने की मांग रखी।पाठक ने तत्काल कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कालेज के प्राचार्य संजय काला को फ़ोन कर पत्रकारों और उनके परिजनों के इलाज में प्राथमिकता देने का आदेश दिया। साथ ही यह भी कहा कि पत्रकारों के लिए खासतौर पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करें। जांच और दवाओं के इंतज़ाम भी हों। यह भी कहा सरकारी अस्पतालों में पत्रकारों के इलाज में प्राथमिकता रहेगी। प्रेस क्लब ने कानपुर में प्रस्तावित पत्रकार सम्मेलन, गोष्ठी और सम्मान समारोह के लिए पाठक को निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। सम्मेलन की तारीख़ शीघ्र तय की जाएगी। इस वार्ता में प्रेस क्लब के अध्यक्ष सरस वाजपेई, महामंत्री शैलेश अवस्थी और शिवराज मौजूद रहे।

समाजसेवी अजय अग्निहोत्री को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई

कानपुर। कानपुर प्रेस क्लब की ओर से पत्रकार, छात्रनेता, स्वयं सेवक संघ से जुड़े समाजसेवी अजय अग्निहोत्री को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।प्रेस क्लब कार्यालय में हुई सभा में छात्रनेता, राजनीतिक, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग, अधिवक्ता और पत्रकार मौजूद रहे। सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए और कहा कि अजय सरल, सहज़, हंसमुख और हर किसी के सुख-दु:ख में खड़े रहने वाले शानदार इंसान थे। अब सभी का दायित्व है कि उनके परिवार के साथ खड़े हों और जीविका का इंतज़ाम किया जाए। इस मौके पर प्रेस क्लब अध्यक्ष सरस वाजपेई ने कहा कि अजय जी की याद में हर वर्ष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर शासकीय अधिवक्ता दिलीप अवस्थी, भाजपा नेता भूपेश अवस्थी, निर्मल तिवारी, सर्वेश पांडे निन्नी, आलोक पांडे, गौरव सारस्वत, मोहित दुबे, शिवराज साहू, शैलेश अवस्थी, कौस्तुभ मिश्रा, अजय गुप्ता, नीरज तिवारी, शुभम, सागर गुप्ता, अमित गुप्ता, संजीव शुक्ला, आनद शर्मा, उत्सव, दीपक सिंह, आशुतोष, गगन, महेश सोनकर, अभिषेक सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

कर्जदार और बंटाईदारों ने अधेड़ को उतारा था मौत के घाट

घाटमपुर। सजेती के कुआंखेड़ा गांव में शनिवार रात हुई धर्मेंद्र सचान (50) की हत्या का खुलासा हो गया है। उनकी हत्या लेनदेन के विवाद में एक कर्जदार और दो बंटाईदारों ने की थी। तीनों घटना की रात उसके पास हिसाब करने के लिए गए थे। विवाद होने पर वहीं पड़े सूजे से ताबड़तोड़ वार कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस ने तीनों को शुक्रवार को जेल भेज दिया।

एडीसीपी महेश कुमार ने बताया कि धर्मेंद्र के यहां काम करने वाले गांव के पप्पू उर्फ उदय नारायण ने उनसे दो लाख रुपये ब्याज पर लिए थे। आरोप है कि धर्मेंद्र इन रुपयों का अधिक ब्याज ले रहे थे। काम कराकर मजदूरी भी नहीं देते थे। वहीं बंटाईदार कमलेश और सुरेश ने धर्मेंद्र से दो हजार के भाव में भूसा लिया था, लेकिन बाद में वह चार हजार के हिसाब से रुपये मांग रहे थे। घटना वाले दिन तीनों उनके घर ट्रैक्टर से गेहूं रखने गए थे। मजदूरी देने से पहले धर्मेंद्र वहां से ट्यूबवेल चले गए थे। तीनों नशे में ट्यूबवेल पहुंचे और लेनदेन का हिसाब करने लगे। विवाद होने पर वहीं पड़े सूजे से सीने और सिर में ताबड़तोड़ 27 वार कर धर्मेंद्र की हत्या कर दी। पुलिस को इस मामले की तय तक जाने में सर्विलांस की सहायता लेनी पड़ी। जांच में तीनों के नाम सामने आए। उनको गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि धर्मेंद्र के घर बोरियों को उतारने के बाद जब मजदूरी नहीं मिली, तो उन लोगों ने आपस में रुपये मिलाकर शराब पी। इसके बाद हिसाब करने के लिए ट्यूबवेल पहुंचे। वहां हिसाब के दौरान कहासुनी होने पर उनकी हत्या कर दी। उन लोगों का इरादा शव को दूर फेंकने का था, लेकिन नशे में होने से तीनों शव को करीब 20 मीटर दूर मूंग के खेत तक ही ले जा सके और वहीं फेंक दिया। अपने कपड़ों में लगी मिट्टी को हटाने के लिए ट्यूबवेल के हौज में कपड़े धोए और नहाया। सुबह जब डॉग स्क्वायड आया तो उससे बचने के लिए तीनों गांव से बाहर चले गए और बाद में लौट आए।

कानपुर जनपद के 5 पेट्रोल पंप मालिकों को जिलाधिकारी ने आखिर क्यों किया सम्मानित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा जनपद के पांच पेट्रोल पंपों के मालिकों को सम्मानित किया गया। जिन्होंने अपने पंपों पर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। यह सम्मान उन पेट्रोल पंप मालिकों को दिया गया है, जिन्होंने अपने पंपों पर अच्छी सुविधाएं प्रदान की हैं और ग्राहकों की जरूरतों का ध्यान रखा है। आधारभूत सुविधाएंरू पेट्रोल पंपों पर आधारभूत सुविधाएं जैसे कि शौचालय, पीने के पानी की व्यवस्था, और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होना।

ग्राहक सेवा जिसके द्वारा पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को अच्छी सेवा प्रदान करना और उनकी जरूरतों का ध्यान रखना है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि पेट्रोल पंपों की गुणवत्ता में सुधार पेट्रोल और उन्हें बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करना इस सम्मान का उद्देश्य है। ग्राहकों को बेहतर अनुभव, पेट्रोल पंपों पर अच्छी सुविधाएं प्रदान करने से ग्राहकों को बेहतर अनुभव मिलता है जिससे वे संतुष्ट होते हैं। जिलाधिकारी द्वारा पेट्रोल पंप मालिकों को सम्मानित करना एक सराहनीय कदम है, जो पेट्रोल पंपों की गुणवत्ता में सुधार करने और ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कानपुर नगर में खाद्य सुरक्षा विभाग टीम द्वारा की गई ताबड़तोड़ छापेमारी, पकड़ा पानी का अवैध कारोबार

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर कानपुर नगर वासियों को शुद्ध गुणवत्तापूर्ण खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खास तौर पर पेय पदार्थ, नान अल्कोहलिक बेवरेजज तथा पैकेज ड्रिंकिंग वॉटर, मिनरल, एनर्जी ड्रिंक, कोल्ड ड्रिंक, पैक्ड फ्रूट जूस, स्पार्कलिंग वॉटर आदि के निर्माण व विक्रय पर विशेष अभियान चलाए जाने के उद्देश्य से सहायक आयुक्त सेकंड संजय प्रताप सिंह के द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम गठित की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कई प्रतिष्ठानों से छापेमारी कर खाद्य/पेय पदार्थ के नमूने जांच हेतु संग्रहित किए। टीम ने कुल 13 नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है।

जिसमें लक्ष्मी पुरवा कानपुर नगर से मिश्रित फ्रूट जूस, घाटमपुर कानपुर नगर से मिश्रित फ्रूट जूस, गांधी जूस कॉर्नर कानपुर नगर से मैंगो शेक, अहिरवा कानपुर नगर से अनार जूस साथ ही 5 किलो रंग युक्त अनारदाना नष्ट भी कराया गया है। काकादेव कानपुर नगर से फ्रोजन डिजर्ट, काकादेव कानपुर नगर से कुल्फी का घोल, शिवराजपुर कानपुर नगर से दूध की बर्फी, अलियापुर चौराहा बिल्हौर कानपुर नगर से पनीर, बिल्हौर कानपुर नगर से हल्दी पाउडर, बिल्हौर कानपुर नगर से बेसन, बिल्हौर कानपुर नगर से पेड़ा, बिल्हौर कानपुर नगर से बेसन के लड्डू का नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया।

वहीं रामा देवी कानपुर नगर से पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर का नमूना लेकर बड़ी कार्रवाई की गई। जहां 2700 पैक अवैध ड्रिंकिंग वॉटर के पैकेट को सीज किया गया। जो अवैध रूप से बिक्री हेतु पैक किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि कारोबारी अवैध रूप से कारोबार करते पाया गया जिसके पास खाद्य लाइसेंस न होने के कारण कारोबार बंद करा दिया गया। नमूने लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

बिना नंबर प्लेट व अवैध नंबर प्लेट वाले ओवरलोड वाहनों को सीज करने के लिए चलाया जाए अभियान: जिलाधिकारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस पर परिवहन विभाग द्वारा अवगत कराया कि अप्रैल माह में 315 ओवरलोड वाहनों के चालान किए गए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बिना नंबर प्लेट अथवा अवैध नंबर प्लेट वाले ओवरलोड वाहनों को सीज करने हेतु विशेष अभियान चलाया जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित सड़क सुरक्षा समिति के सभी सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किए गए। प्राप्त सुझावों का निस्तारण किए जाने हेतु समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। बैठक में एनएचएआई के अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि नौबस्ता बंबा रोड पर नगर निगम द्वारा डाली गई मिट्टी से यातायात बाधित हो रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल जोनल अधिकारी को मौके पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि शिवराजपुर के पास लोग विपरीत दिशा में वाहन चला रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने पी.डी. एनएचएआई को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित लोक निर्माण विभाग के अधिकारी ने बताया कि शुक्लागंज झाड़ी बाबा पुल पर जाम की समस्या रहती है।

इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि यातायात सुधार हेतु तत्काल कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी ने अवगत कराया कि गंगा बैराज डीबीएस कॉलेज के निकट मोड़ पर दृश्यता की कमी है। इस पर जिलाधिकारी ने उक्त स्थान पर सुरक्षा सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारी को दिए ।

जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि विभिन्न विभागों द्वारा कराए जा रहे कार्यों की विस्तृत सूचना फोटोग्राफ्स के साथ 5 जून तक उपलब्ध कराएं एवं आगामी बैठक में फोटोग्राफ्स सहित प्रस्तुति करण करना सुनिश्चित करें। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, पी.डी. एनएचएआई, परिवहन विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बगैर किसी कारण विवेचना को लंबित रखने वाले विवेचक पर हो सकती है कार्यवाही

कानपुर। पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल श्रवण कुमार सिंह द्वारा सीसामऊ ष्टक्क कार्यालय पर थाना सीसामऊ, थाना चमनगंज व थाना बजरिया के विवेचकों का अर्दली रूम किया गया जिसमें मामलों की प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिए ।अकारण विवेचनाओ को लम्बित रखने वाले विवेचको को सख्त हिदायत देते हुए निष्पक्ष ढंग से विवेचना करने व निर्धारित समय सीमा के भीतर विधिक निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया ।अर्दली रूम के दौरान भौतिक/इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को विवेचना में समाहित करते हुए विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया ।अपराधी किस्म/सांप्रदायिक तत्वों/माफिया लोगों के शत प्रतिशत भौतिक सत्यापन करने हेतु निर्देशित किया गया ।आपराधिक प्रवृति के लोगों व भू-माफियाओं को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्यवाही करने के दिशा-निर्देश दिए ।मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त सीसामऊ व प्रभारी निरीक्षक चमनगंज, बजरिया व थाना प्रभारी सीसामऊ मौजूद रहे।

कानपुर में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत फनल एरिया के चारों ओर घेराबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाने के दिए गए निर्देश

कानपुर। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कानपुर आगमन के दृष्टिगत संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़, व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित बनाए रखने हेतु पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता व अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी मनोज कुमार पाण्डेय के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त (पूर्वी ज़ोन) तथा समस्त थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए सुरक्षा संबंधी विस्तृत ब्रीफिंग की गई।

ज़ ब्रीफिंग के दौरान सभी अधिकारियों को उनके कर्तव्यों, ड्यूटी प्वाइंट्स, सुरक्षा के प्राथमिक बिंदुओं, आगंतुकों की निगरानी तथा आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

फनल एरिया के चारों ओर घेराबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए जिसमें संदिग्ध व्यक्तियों, वस्तुओं, वाहनों एवं गतिविधियों की गहनता से जांच की जाए।

फनल एरिया से सटे समस्त भवनों का भौतिक सर्वेक्षण कराया जाए, जिसमें मकान स्वामी, किरायेदार, कर्मचारियों आदि की समुचित पहचान व सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।

फनल एरिया से सटे जिन आवासों में लाइसेंसी शस्त्र उपलब्ध हैं, वहां से शस्त्रों को नियमानुसार संबंधित थानों में अस्थायी रूप से जमा कराने की प्रक्रिया तीव्र की जाए।

कंटिंजेंसी रूट पर स्थित समस्त बहुमंजिला एवं ऊँचे भवनों को चिह्नित कर, सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण बिंदुओं पर रूफ टॉप ड्यूटी हेतु प्रशिक्षित पुलिस बल की तैनाती की जाए।

साथ ही सभी को निर्देशित किया गया कि वे उच्चतम स्तर की सतर्कता एवं संयम के साथ अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करें, जिससे संपूर्ण कार्यक्रम शांति, सुरक्षा एवं सुव्यवस्था के साथ संपन्न हो।

सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता न रहे तथा प्रधानमंत्री के आगमन व प्रस्थान के दौरान संपूर्ण कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो।

समय से पूर्व बच्चे का जन्म केवल माँ के लिए ही नहीं अपितु समाज के लिए भी बोझ व चिंता का विषय

बीपीएस न्यूज

कानपुर।ISOPARB कानपुर और कानपुर ओब्स एंड गाइनी सोसाइटी द्वारा होटल विजय इंटरकांटिनेंटल में एक गोस्टी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी की वक्ता देश की जानी पहचानी डॉ. टी. रमणी देवी थी जो तमिलनाडु से अपना वक्तव्य देने हमारे कानपुर शहर में आई हैं ये हमारी सोसाइटी के लिए बहुत गर्व का विषय है। डॉ. मीरा अग्निहोत्री ने बताया समय से पूर्व प्रसव पर अपना विचार व्यक्त करते हुए बताया की गर्भावस्था को अक्सर उत्साह और प्रत्याशा के समय के रूप में देखा जाता है। हालाँकि, कुछ गर्भवती माताओं के लिए, जटिलताएँ उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे समय से पहले प्रसव हो सकता है।

समय से पहले प्रसव के कारणों को समझना गर्भवती माता-पिता के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे संकेतों को पहचानने और समय पर चिकित्सा सहायता लेने में मदद मिलती है।डॉ. नीलम मिश्रा प्रेसिडेंट सोसाइटी, कानपुर, ने बताया समय से पहले प्रसव से बचने के लिए, गर्भवती महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखनी चाहिए, तनाव को नियंत्रित करना चाहिए और नियमित प्रसवपूर्व जांच करवानी चाहिए।

हाइड्रेटेड रहना, संतुलित आहार खाना और धूम्रपान या शराब से बचना ज़रूरी है। डॉ. किरण सिन्हा ने बताया समय से पहले जन्म का सबसे आम कारण संक्रमण या माँ में पुरानी स्वास्थ्य स्थितियाँ हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह और संक्रमण जैसी स्थितियाँ समय से पहले प्रसव का कारण बन सकती हैं। गोष्ठी का संचालन डॉ किरन सिन्हा और डॉ विनीता अवस्थी द्वारा किया गया।

जोन 3 - जोनल स्वच्छता अधिकारी की भी बात नहीं सुनती दीक्षांक कंपनी, उनके आदेश को रखती ठेंगे पर ?

बीपीएस न्यूज

कानपुर। घर घर कूड़ा उठाने वाली कंपनियाँ नगर निगम को गलत तरीके से झूठी और फर्जी रिपोर्ट दे रही है। सफाई एवं खाद्य निरीक्षकों की जांच में दीक्षांक कंपनी के फर्जीवाड़े की असलियत सामने आ गई है। कंपनी की तरफ से कूड़ा उठाने को लगाई गई गाड़ियां सुबह कूड़ा ना उठाकर देर शाम तक उठा रही है। कंपनी की प्रगति रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले दो महीने में 40 फ़ीसदी तक कूड़ा उठान में सुधार हुआ है। लेकिन जब सफाई एवं खाद्य निरीक्षकों ने रिपोर्ट की हकीकत जानी तो कंपनी की रिपोर्ट में फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। कूड़ा उठान की भेजी जा रही रिपोर्ट और भौतिक स्थिति में अंतर पाया गया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने कंपनी को नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है। दीक्षांत कंपनी की ओर से जोन 3 और 4 के सभी वार्डों में घर-घर जाकर कूड़ा उठाने का काम किया जा रहा है। साथ ही कंपनी की ओर से लगातार लापरवाही भी खूब की जा रही है। कुछ दिन पहले ही नगर आयुक्त व महापौर ने बैठक कर घर-घर कूड़ा कलेक्शन के कार्य की समीक्षा की थी जिसमें पाया गया था कि कंपनी द्वारा घर-घर से कूड़ा कलेक्शन की प्रगति अच्छी नहीं थी।

दीक्षांक कंपनी जोनल स्वच्छता अधिकारी से शिकायत करने के बावजूद भी घर से नहीं उठा रही है कूड़ा। सबसे दिलचस्प मामला जोन 3 का है नौबस्ता, गल्ला मंडी, मिल्लत नगर निवासी बी.पी. साहू ने बताया कि उनके घर से कूड़ा नहीं उठाया जा रहा है, जिसको लेकर कई बार जोन 3 के जोनल स्वच्छता अधिकारी आशीष बाजपेई से मौखिक, लिखित, फोन कॉल कर व मोबाइल व्हाट्सएप द्वारा अवगत कराते हुए शिकायत की। यहां तक की आईजीआरएस द्वारा भी शिकायत दर्ज कराई गई। अक्टूबर 2024 से मई 2025 तक में 10 बार से ज्यादा शिकायत कर चुके हैं। जब शिकायत की जाती है उस दिन कूड़ा घर से उठा लिया जाता है। उसके बाद हस्तों घर से कूड़ा नहीं उठाया जाता और घर में सड़ता रहता है, कुछ दिन बाद घर के लोग कूड़े को दूर ले जाकर कूड़ेघर में फेक देते हैं। गौर करने वाली बात तो यह है कि कूड़ा तो उठाते नहीं, लेकिन बेशर्मो की तरह पैसे मांगने जरूर चले आते हैं। झगड़ा करने तक उतारू हो जाते हैं।

दीक्षांक कंपनी आखिर किसके दम पर ऐसा कर रही है, क्योंकि शिकायत कर्ता के सामने ही जोनल स्वच्छता अधिकारी ने कई बार फोन पर घर से कूड़ा प्रतिदिन और समय से उठाने की चेतावनी दी। यहां तक की वेतन रोकने तक की बात कही। उसके बावजूद भी दीक्षांक कंपनी को किसी का डर नहीं है। आखिर जोनल स्वच्छता अधिकारी के आदेश को दीक्षांक कंपनी क्यों ठेंगे पर रखे हुए हैं ?

मुनीम ने दुकान में फंदा लगाकर की खुदकुशी

कानपुर बिल्डिंग मैटेरियल दुकान में नौकरी वाले मुनीम ने अपनी परेशानी सुसाइड नोट में लिखकर फांसी लगाकर जान दे दी। कर्मियों ने जब मुनीम को फंदे से लटका देखा तो परिजनों को सूचना दी। बेटा अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी होने पर पहुंची नौबस्ता पुलिस ने जांच-पंडताल की। वाई-वन ब्लाक नौबस्ता निवासी 55 वर्षीय दुर्गा प्रासाद द्विवेदी मौरंग मंडी में संदीप यादव की बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान में मुनीम थे। परिवार पत्नी सीमा, दो बेटे अमित व सुमित और एक बेटी सपना है। दुर्गा प्रसाद 10 साल से नौकरी कर रहे थे। रोज की तरह रविवार सुबह दुकान पहुंचे, साफ-सफाई के बाद सुसाइट नोट लिखा और दुकान में ही पंखे के कुंडे में रस्सी बांधकर फांसी लगा ली। दुकान में काम करने वाले दो कर्मी पहुंचे तो उन्होंने दुर्गा प्रसाद को फंदे से लटका देखा। इस पर भागकर उसके परिजनों को सूचना दी। खबर पाकर बेटा अमित दुकान पहुंचा और पिता को फंदे से उतारकर समीप के मधुलोक अस्पताल ले गया, वहां डॉक्टरों ने हैलट ले जाने को कहा। हैलट पहुंचने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

अमित के अनुसार सुबह पांच बजे पिता ने चाय बनाकर पी, उसके बाद दुकान के लिए निकल गए थे।

चंदन का टीका लगाकर खंड शिक्षा अधिकारी का भव्य स्वागत

कानपुर। उच्च न्यायालय के आदेशानुसार पुनः खण्ड शिक्षा अधिकारी भरत कुमार वर्मा बिधनू के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। सुबह से ही सभी शिक्षक शिक्षामित्र स्वागत के लिए तैयारी में जुट गए फूल माला पहनकर खंड शिक्षा अधिकारी का स्वागत एवं मिष्ठान वितरण किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि अधोहस्ताक्षरी दिनांक 23.02.2024 से दिनांक 13.09.2024 तक खण्ड शिक्षा अधिकारी बिधनू के पद पर कार्यरत रहा है। स्कूल महानिदेशक के निर्देशों के बाद जिलाधिकारी से अनुमोदन से बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विकास खंड शिक्षा अधिकारी भारत कुमार वर्मा का स्थानांतरण खंड प्रेम नगर में 31 अगस्त 2024 को कर दिया था इसके खिलाफ भारत कुमार वर्मा उच्च न्यायालय चले गए उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी के आदेश को निरस्त कर दिया कि उन्हें बीईओ स्थानांतरण का अधिकार नहीं है आदेश का पालन न होने पर और अवमानना वाद दाखिल किया गया। उच्च न्यायालय निर्णय पर भूरी भूरी प्रशंसा की गई। स्वागत में सुनील कुमार वर्मा जिला संयोजक विकास तिवारी जिला अध्यक्ष जितेंद्र मनोज अरविंद सचान सत्या शुक्ला वाहिजुद्दीन परवेज आलम मंडल अध्यक्ष आदि लोग रहे।

भाजपा दक्षिण कार्यालय पर 'भागवत गीता' वितरण कार्यक्रम आयोजित

कानपुर। केशव नगर स्थित भाजपा दक्षिण पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं को 'भागवत गीता' की प्रतियाँ वितरित कीं। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को न केवल राजनीतिक रूप से, बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी जागरूक और सशक्त बनाना था। शिवराम सिंह ने कहा कि आज जब हम राष्ट्र निर्माण के महान लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं, तब यह आवश्यक है कि हमारी सोच और कार्यशैली दोनों नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक ऊर्जा से प्रेरित हों। 'भागवत गीता' केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि कर्म, भक्ति और ज्ञान का अद्वितीय समन्वय है, जो हर कार्यकर्ता को समाज सेवा के लिए एक नई दृष्टि देता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो राष्ट्र की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। हमारे कार्यकर्ताओं में यदि धर्म और दर्शन की गहरी समझ होगी, तभी वे समाज में सच्चे परिवर्तन के वाहक बन सकेंगे।

कार्यकर्ताओं ने 'भागवत गीता' को एक मूल्यवान उपहार मानते हुए जिलाध्यक्ष का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह उन्हें संगठनात्मक कार्यों में नई ऊर्जा प्रदान करेगा। कार्यक्रम का समापन सामूहिक रूप से 'भागवत गीता' के श्लोकों के पाठ के साथ हुआ, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। प्रमुख रूप से राम बहादुर यादव, गणेश शुक्ला, जसविंदर सिंह, मनीष त्रिपाठी, अर्जुन बेरिया, अनुराग शुक्ला, वीरेंद्र दिवाकर, गोपाल मिश्रा, तेज़बहादुर, अंकुर गुप्ता, अन्वेष शुक्ला, पप्पू पंडितमधु तिवारी,

बिंदू गोयल, रोली तिवारी, सुरेश मोदी, रंभा मिश्रा आदि मौजूद रहे।

विज्ञापन कार्यालय-130/
4 - बाबू पुरवा कॉलोनी,
किदवई नगर, कानपुर
नवीन गुप्ता
(विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

30 मई को कानपुर में प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी ने बैठक कर दिए निर्देश

कानपुर। प्रधानमंत्री के आगामी 30 मई को जनपद में प्रस्तावित जनसभा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में नवीन सभागार, सरसैया घाट में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनसभा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा सुविधा, पेयजल, स्वच्छता तथा जनसभा स्थल की व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

जिलाधिकारी ने ये दिए अन्य महत्वपूर्ण निर्देश यातायात व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने के लिए रूट प्लानिंग और पार्किंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए।आपातकालीन चिकित्सा सेवा एवं एम्बुलेंस की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए गए।जनसभा स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता व पेयजल की सुचारु व्यवस्था के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया।जनसभा स्थल की तैयारी के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा पंडाल, मंच, बैठने की व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था सहित सभी तकनीकी एवं व्यवस्थागत तैयारियों की समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, डीसीपी ट्रैफिक रविन्द्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी, समस्त अपर जिलाधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।